सुविचार

एक व्यक्ति
बहुत कुछ कर सकता है
लेकिन व्यक्तियों की टीम
सब कुछ कर सकती है।

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

ठिठुरन : मैनपाट में जमी ओस छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में भी ठिठुरन ...

वर्ष-16, संयुक्तांक - 32+33 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 14 से 27 नवंबर 2025 | पृष्ठ-8, मूल्य-3/-

सम्मान की स्वर्ण आभा में दब गई मजदूरों की प्रताड़ना एवं शोषण की आवाज

अधूरी अनुमति, गलत तथ्य, जंगल मद की जमीन और 440 पेड़ों की अवैध कटाई के बीच बालको का जी-9 प्रोजेक्ट

अवैध प्रोजेक्ट जी - 9 को वैध दिखाने बालको ने श्रम मंत्री को बुलाया, सम्मान दिया और करा दिया भूमिपूजन

कोरबा/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भाजपा का सुशासन आते ही शासन-प्रशासन को गुमराह कर कार्पोरेट जगत अवैध को वैध करने के लिए किस तरह जुट जाते हैं यह 17 नवंबर को उस समय दिख गया जब छोटे झाड़ - बड़े झाड़ के जंगल में लगे हजारों पेड़ों में से 440 पेड़ों को काटकर बालको 9 मंजिला इमारत खड़ी करने के लिए श्रम मंत्री से भूमि पूजन करा दिया। मुख्य अतिथि स्वर्ण आभा से चकाचौंध श्रम मंत्री ने बालको में हो रही मजदूरों की प्रताड़ना एवं शोषण को नजर अंदाज कर भूमि पूजन कर दिया। जिस जनता ने आशीर्वाद देकर जिन्हें मंत्री बनाया वे बालको की स्वर्ण आभा के सामने शोषित श्रमवीरों को भी भुला दिया।

जी-9 टॉवर जैसी ईमारत खड़ी करने के लिए बालको ने अवैध को वैध दिखाने के लिए और प्रोजेक्ट में किसी तरह की अड़चन ना आए इस लिए शासन को अपने कब्जे में करने की कोशिश की और सफल भी रहा।

इस पूरे मामले में अधिवक्ता अब्दुल नफीस खान ने प्रशासन से जो शिकायत की थी, उसके अनुसार कोरबा जिले के पाड़ीमार बालको नगर में इंदिरा मार्केट के सामने बालको प्रबंधन द्वारा बनाए जा रहे बहुमंजिला जी-9 आवास निर्माण का सच जितना सामने आ रहा है, उतना ही यह पूरा मामला शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल भी खड़ा करता है। श्रम मंत्री ने कैसे भूमिपूजन के लिए पहुंचा, यह भी सवाल के घेरे में है, कहीं स्वर्णिम आभा में मंत्री इस अवैध निर्माण का भूमि पूजन तो नहीं करने गए। सवाल कई खड़े होते हैं, लेकिन सच्चाई यही है कि बालको प्रबंधन जहां खाली जगह दिखी, अपनी सोच कर फैंसिंग करा दी और बालको के आधिपत्य की जगह मानकर कुछ भी प्रोजेक्ट खड़ा कर रहा है।

स्टर लाईट ने भारत एल्युमिनियम का 51 प्रतिशत शेयर खरीदने के समय सिर्फ बालको प्रोजेक्ट में अपनी हिस्सेदारी खरीदा था, लेकिन वेदांता के आगमन के बाद लगता है कि सारी जमीन उसी की ही है। तात्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, कि 1000 एकड़ से भी अधिक जमीन पर वेदांता ने अवैध कब्जा किया है। मामला राष्ट्र स्तरीय सुर्खियों में था और कहा कि कांग्रेस सरकार आते ही हम सरकारी जमीन से कब्जा हटायेंगे, लेकिन सीएम बनते ही भूपेश की यह धमकी गिदड़ धमकी निकली और वे सीएम बनते ही बालको के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला।

अधिवक्ता अब्दुल नफीस खान ने प्रशासन को सौंपे ज्ञापन में कहा है - सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि किसी भी प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य की शुरुआत सम्पूर्ण अनुमति प्राप्त होने के बाद ही की जा सकती है, लेकिन लगता है बालको ने कानून और नियमों के पालन कराने वालों को ही अपनी जेब में रख लिया हो।

बिना अनुमति, बिना प्रक्रिया, सिर्फ आवेदन देकर ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया, और सबसे पहले इस बहुमंजिली जी - 9 आवास निर्माण में बाधा बने बड़े बड़े पेड़ों की हरित संहार का षडयंत्र रचा और छोटे-बड़े झाड़ के जंगल को पूरी तरह सफाया कर दिया और करीब 440 पेड़ों को जमींदोज करा कर कटे पेड़ों को रातोंरात गायब करा दिया।

बालको द्वारा नजूल विभाग, नगर तथा ग्राम निवेश, नगर निगम और SDM कोरबा को प्रेषित अनुमति के आवेदन में जिस खसरा नंबर 191/1 का उल्लेख किया गया, वह जमीन राजस्व अभिलेखों में 'छोटे झाड़ के जंगल मद' के नाम से दर्ज है। यह अपने आप में सबसे बड़ा धोखा है।

अधिवक्ता ने उठाए कई गंभीर सवाल

जब समग्र अनुमति मिली ही नहीं...

जब जमीन जंगल मद श्रेणी की है...

जब पेड़ों को स्थानांतरित किया ही नहीं गया...

जब अनुमति झूठ पर आधारित है...

तो मंत्री जी अवैध निर्माण का भूमिपूजन किस अधिकार से कर सकते हैं?

क्या बालको की राजनीतिक पकड़ इतनी मजबूत है कि कानून भी हाथ जोड़कर खड़ा रहता है?

यह किसकी मजबूरी है? कानून की या अधिकारी की?

इस मामले की सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दृश्य दिनांक 17/11/2025 को देखने को मिला जब कोरबा विधायक और प्रदेश सरकार के मंत्री लखनलाल देवांगन द्वारा बालको वेदांता के इस आवासी जी - 9 आवासीय प्रोजेक्ट के अवैध निर्माण का विधिवत भूमिपूजन कर दिया गया।

बालको प्रबंधन ने अपने इस अवैध प्रोजेक्ट के सुरक्षा कवच के रूप में लोगों को दिखाने के लिए मंत्री के कर कमलों से भव्य भूमिपूजन करवा दिया गया।

इस भूमि पूजन में मंत्री जी के साथ बालको के सीईओ, नगर निगम कोरबा के महापौर,स्थानीय बीजेपी नेता और उक्त आवास निर्माण से संबंधित ठेकदार भी मौजूद रहे।

यहाँ कानून का मजाक उड़ाया गया, प्रशासन को धोखा दिया गया। जंगल मद भूमि को साधारण बताकर खेल खेला गया।

और आखिर में राजनीतिक संरक्षण लेकर भूमिपूजन भी करवा दिया गया।

यह पूरा प्रकरण एक संदेश देता है-

नियम और कानून आम जनता के लिए बने हैं, बालको और नेताओं के लिए नहीं।

यह विडंबना नहीं, व्यवस्था पर कलंक है।

क्या बालको जैसा कारपोरेट 440 पेड़ों की बलि देकर आलीशान आवासीय भवन खड़ा कर देगा?

क्या यही सुशासन है?

क्या यही पर्यावरण संरक्षण है?

क्या यही जनसेवा है?

यह पूरा घटनाक्रम इस ओर संकेत करता है कि बालको प्रबंधन को शासन-प्रशासन का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है।

केंद्र की मोदी सरकार जहां एक ओर 'मां के नाम एक पेड़' जैसी योजना चला रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार के मंत्री, पूरे दल-बल के साथ, लगभग 440 पेड़ों की हरित संहार वाली भूमि का भूमिपूजन कर सुर्खियाँ बटोरते नजर आए।

प्रशासनिक मौन स्वयं में बड़ा प्रश्न?

स्थानीय लोगों द्वारा अनेकों शिकायतें , वन विभाग और जिला प्रशासन को दी गईं, जिसमें स्पष्ट किया गया कि पेड़ों की कटाई अथवा हटाने की कोई वैध अनुमति उपलब्ध नहीं है।

इसके बावजूद प्रशासन की मौजूदगी में भूमिपूजन का होना, लोगों के बीच यह धारणा मजबूत करता है कि इस पूरे मामले में कहीं न कहीं कोई बड़ा षड्यंत्र चल रहा है।

अधिवक्ता ने कहा - पिछले 5 महीने से मैंने अपने स्तर पर इन पेड़ो को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन सरकार जब खुद पेड़ों की बलि देने को आतुर हो, तब एक आम नागरिक की लड़ाई कितनी कठिन हो जाती है, मुझे इस बात का हमेशा अफसोस रहेगा कि मैं उन 440 पेड़ों को नहीं बचा पाया। अभी भी मेरी कोशिश जारी है।

अब एक आखिरी रास्ता

अधिवक्ता ने कहा अब शासन प्रशासन से न्याय की उम्मीद नहीं और मेरे पास एक ही रास्ता बचा है न्यायालय का। मुझे पूरा भरोसा है न्याय होगा। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि जिस तरह बालको श्रमिकों के शोषण और प्रताड़ना की नींव पर जी-9 खड़ा करने वाला है, 440 पेड़ों की बलि देकर चकाचौंध दुनिया में कदम रख रहा है, अगर आपका दिल भी इन पेड़ों की तरह हरा है, तो इस सत्य को, इस अन्याय को, इस छल को सार्वजनिक करें और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं। जनता की एकजुट आवाज़ ही असली ताकत है।

बालको विस्तार परियोजना की जनसुनवाई तक प्रशासन, प्रेस, प्रतिनिधियों का तलवा ... वाले अब फोन तक नहीं उठाते और उनकी हिटलरशाही बढ़ती जा रही है।

जंगल मद की भूमि पर बिना विशेष अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण संभव नहीं

पर बालको प्रबंधन ने इसे साधारण भूमि की तरह दिखाकर प्रशासन को गलत जानकारी देते हुए या प्रशासन के कुछ अधिकारियों को अपने प्रभाव में लेकर एक सोची समझी साजिश के तहत उक्त निर्माण स्थल पर मात्र 172 पेड़ों की गिनती बताई गई, जो पूरी तरह झूठ है।

वास्तविकता में मौके पर धार्मिक मान्यता वाले पेड़ बरगद,पीपल, आम, सेमर पलाश सहित अन्य प्रजातियों के लगभग 440 बड़े, दशकों पुराने पेड़ खड़े थे, जिसकी गिनती मेरे द्वारा स्वयं की गई थी, और हमारे वार्ड के बीजेपी पार्षद रजत खूंटे द्वारा भी गिनती करके, पेड़ो पर नंबर चस्पा किया था।

पेड़ों की गिनती में इतने बड़े अंतर को गलती नहीं कही जा सकती। यह साफ-साफ जानबूझकर की गई फर्जी गिनती है ताकि पेड़-कटाई और निर्माण की राह आसान हो सके। अधिवक्ता श्री खान ने बताया कि मेरे द्वारा जिलाधीश को संबंधित दस्तावेजों और निर्माण स्थल के फोटोग्राफ्स सहित गत 05/6/2025, 09/06/2025, 16/06/2025 को लगातार शिकायत की गई। तब जाकर एसडीएम कोरबा द्वारा इस आधार पर कि निर्माण स्थल पर खसरा नंबर 199/1 बड़े झाड़ के जंगल और घास भूमि है। निर्माण स्थल से पेड़ों को स्थानांतरित करने की अनुमति दिनांक 3/6/2025 को लिखित आदेश जारी करते हुए निरस्त तो कर दी गई, लेकिन प्रशासन केवल कागज़ पर ही सख्त दिखा। जमीन पर स्थिति वही रही। ना पेड़ स्थानांतरित हुए, ना निर्माण रुका और ना झूठे तथ्यों पर दी गई अन्य अनुमतियों की समीक्षा हुई। बल्कि उसी अधिकारी ने जिसने उक्त स्थल से पेड़ों को स्थानांतरित करने की अनुमति दिनांक 2/5/2025 को दी थी, फिर दिनांक 3/6/2025 को उक्त अनुमति रद्द कर दी। उसी ने फिर से पेड़ों को स्थानांतरित करने/ काटने का बालको का नया आवेदन भी स्वीकार कर लिया।

दस्तावेज बताते हैं कि, अभी तक सम्पूर्ण अनुमति नहीं

बालको प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों, और संबंधित विभाग से प्राप्त दस्तावेजों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जी - 9 आवास निर्माण को अब तक समग्र निर्माण अनुमति प्राप्त नहीं हुई है।

जो अनुमति ली भी गई है, वह भी प्रबंधन ने अधूरी, भ्रामक और गलत जानकारी प्रस्तुत कर हासिल की है, जो अपने आप में गंभीर जांच का विषय है।

स्थानीय निवासी 440 पेड़ों और उनके रहने वाले जीव जंतुओं को बचाने बालको प्रबंधन के इस आवासीय प्रोजेक्ट निर्माण कार्य का लगातार विरोध कर रहे हैं। यहां तक कि नगर निगम के एमआईसी मेम्बर हितानंद अग्रवाल, बीजेपी बालको मंडल अध्यक्ष द्वारा भी इसका विरोध शुरुआत से ही किया जा रहा था और भूमिपूजन के एक दिन पहले तक विरोध जारी रहा।

लेकिन कार्यक्रम वाले दिन मंडल अध्यक्ष मंत्री के साथ भूमि पूजन में शामिल रहे, आखिर यह चमत्कारिक 'रवैये में परिवर्तन' किस दबाव या समझौते का परिणाम है।

एक तरफ भाजपा का विरोध, दूसरी ओर मंत्री का खुला समर्थन !

एक तरफ भाजपा बालको मण्डल और निगम में एमआईसी मेम्बर तथा वरिष्ठ भाजपा नेता हितानंद अग्रवाल बालको के खिलाफ मोर्चा खोलकर बैठे हैं और मजदूरों की प्रताड़ना एवं शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं, दूसरी ओर श्रम मंत्री स्वर्ण आभा के चकाचौंध में श्रमवीरों का शोषण एवं प्रताड़ना की उपेक्षा कर भूमिपूजन में शामिल हुए। स्वयं को भूमि पुत्र बताकर चुनाव जीतने वाले श्रम मंत्री अब भू-माफिया (वेदांता प्रबंधन) का खुलेआम समर्थन करते हुए जी-9 के भूमिपूजन में पहुंचे। उद्बोधन में श्रम मंत्री ने क्या कहा, यह हम नहीं जानते, लेकिन बालको ने जो प्रेस नोट भेजा उसमें श्रम मंत्री ने बालको की प्रशंसा में कसीदे गढ़े।

स्थल का वास्तविक सच इससे भी अधिक भयावह है

यहाँ केवल 440 पेड़ नहीं थे बल्कि सैकड़ों जीव-जंतुओं का प्राकृतिक आवास भी था, जो इस अवैध आवासीय प्रोजेक्ट में पूरी तरह तहस नहस कर दिए गए।

जहाँ कभी कोयल की मधुर आवाज सुनाई देती थी, वहाँ अब बड़ी-बड़ी मशीनों की कर्कश आवाजें गूंज रही हैं।

घने जंगल की अनुभूति देने वाला क्षेत्र अब महज कुछ गिनती के पेड़ों तक सिमट गया है। छोटे-छोटे पौधे, जो एक-दो साल में विशाल पेड़ बनने वाले थे, उन्हें भी बुलडोज़रों ने निर्ममता से रौंद दिया।

जमीन का प्राकृतिक स्वरूप, जैव विविधता और वन्यजीवों का बसेरा सब कुछ इस एक परियोजना की भेंट चढ़ गया।

बालको द्वारा मजदूरों का शोषण एवं प्रताड़ना का मामला गूंजेगा छत्तीसगढ़ विधानसभा में

रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया ने बालको प्रबंधन एवं शिवशक्ति पावर प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ खोला मोर्चा

बालको में मजदूरों का शारीरिक व मानसिक शोषण ? विधायक फूलसिंह राठिया ने उठाए गंभीर सवाल, प्रबंधन को दी लिखित चेतावनी

कोरबा/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक फूलसिंह राठिया ने बालको प्रबंधन और ठेका कंपनी शिवशक्ति पावर प्राइवेट लिमिटेड पर गंभीर आरोप लगाते हुए मजदूरों की सुरक्षा व अधिकारों की अनदेखी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया है और बालको प्रबंधन को पत्र लिखकर कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि बालको प्रबंधन मजदूरों का शोषण और प्रताड़ना बंद करे, वरना बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने बालको के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

दिव्य आकाश प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए फूलसिंह राठिया ने कहा कि बालको प्रबंधन मजदूरों का शोषण एवं प्रताड़ित कर रहा है, इसे छत्तीसगढ़ विधानसभा में जोर शोर से उठाया जाएगा।

विधायक फूलसिंह राठिया ने आरोप लगाया है कि पांडिचेरी (तमिलनाडु) की यह ठेका कंपनी, बालको प्रबंधन और एनजीएसएल के साथ गठजोड़ कर प्लांट में कार्यरत मजदूरों और कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रही है।

3 अक्टूबर को 540 मेगावाट ईएसपी स्ट्रक्चर गिरने की घटना को बताया लापरवाही का परिणाम

पत्र में उल्लेख किया गया है कि दिनांक 3 अक्टूबर 2025 को बालको के 540 मेगावाट यूनिट के ईएसपी स्ट्रक्चर गिरने की घटना ठेका कंपनी और बालको प्रबंधन की गंभीर लापरवाही का परिणाम है। ईएसपी के ऑपरेशन और मेंटेनेंस की जिम्मेदारी शिवशक्ति पावर प्रा. लि. को दी गई थी।

विधायक फूल सिंह राठिया के अनुसार, समय पर हाउसकीपिंग और रख-रखाव कार्य नहीं किया गया, जिसके कारण यह बड़ा हादसा हुआ। हालांकि बालको प्रबंधन ने किसी के घायल होने की जानकारी सार्वजनिक नहीं की, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'क्या प्रबंधन दूसरे चिमनी हादसे का इंतज़ार कर रहा है? — विधायक राठिया का सवाल

विधायक फूल सिंह राठिया ने लिखा है कि प्लांट में हाउसकीपिंग की स्थिति बेहद खराब है, इसके बावजूद ठेका कंपनी को हर बार 'बेस्ट हाउसकीपिंग अवॉर्ड दिया जाना अत्यंत संदिग्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे प्रतीत होता है कि प्रबंधन को कर्मचारियों और मजदूरों की सुरक्षा की कोई वास्तविक चिंता नहीं है।

भविष्य में बड़ी दुर्घटना की आशंका

विधायक फूल सिंह राठिया ने चेतावनी दी है कि इस प्रकार की अनदेखी भविष्य में किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। उन्होंने बालको प्रबंधन से—

हाउसकीपिंग और सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच,

ठेका कंपनी की जवाबदेही तय करने,

और मजदूरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की है।

बालको को चेताया - सुधर जाओ वरना बड़ा जन आंदोलन होगा - फूलसिंह राठिया

विधायक फूल सिंह राठिया ने स्पष्ट किया है और बालको प्रबंधन को चेताया भी है- यदि भविष्य में मजदूरों की सुरक्षा से जुड़े किसी भी हादसे या शोषण की जानकारी मिलती है, तो बालको प्रबंधन के खिलाफ उग्र जन आंदोलन किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

भाजपा ने खोला मोर्चा

सेक्टर-5 के निवासियों को बेघर करने के मामले में बालको भाजपा मण्डल ने निगम के एमआईसी मेम्बर हितानंद अग्रवाल के नेतृत्व में मोर्चा खोला हुआ है और कहा है कि बालको किस हैसियत से यह कार्यवाही कर रहा है, दस्तावेज दिखाए।

शिक्षा गुणवत्ता सुधार की कवायद : कलेक्टर ने कहा-कमजोर छात्रों के लिए विशेष क्लास आयोजित करें

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले की शैक्षिक गुणवत्ता सुधार व बोर्ड परीक्षाओं की समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी टी पी उपाध्याय सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की तैयारी की विकासखंडवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि वर्ष 2025-26 में कक्षा 10वीं तथा 12 वीं के परीक्षा परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में कम से कम 10 प्रतिशत वृद्धि सुनिश्चित की जाए। इसके लिए प्राचार्यों की बैठक लेकर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम के आधार पर 15 प्रतिशत से 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्रों में से प्रति विकासखंड 100 छात्रों का चयन कर आवासीय सुविधा सहित विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था करने निर्देशित किया।

आपार आईडी के शत प्रतिशत लक्ष्य की हो पूर्ति

आपार आईडी के शत प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति हेतु उन्होंने निर्देशित किया गया कि जिन छात्रों का आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में नहीं बन पा रहा है, उनकी सूची विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा दो दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत की जाए। इसके उपरांत जिला प्रशासन द्वारा संबंधित छात्रों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु तहसील स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा।

मध्यान्ह भोजन एवं पौष्टिक नाश्ता वितरण का हो नियमित निरीक्षण

कलेक्टर ने प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन तथा सुबह के पौष्टिक नाश्ता कार्यक्रम का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि भोजन/नाश्ता बनाने हेतु केवल एलपीजी गैस का ही उपयोग किया जाए तथा इस निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री वसंत ने सभी अधिकारियों को निर्धारित कार्ययोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने एवं शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार की दिशा में गंभीरतापूर्वक कार्य करने निर्देशित किया।

रिमेडियल क्लास का आयोजन

कलेक्टर ने अर्धवार्षिक परीक्षा के उपरांत प्रत्येक विद्यालय में रिमेडियल क्लास अनिवार्य रूप से आयोजित करने के लिए कहा।

प्रश्नपत्र आधारित अभ्यास

कलेक्टर ने जनवरी एवं फरवरी माह में विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों का प्रतिदिन लिखित अभ्यास सभी विद्यालयों में कराए जाने की बात कही, जिससे विद्यार्थी परीक्षा पद्धति व प्रश्न संरचना से भलीभांति परिचित हो सकें। कलेक्टर अजीत बसंत ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि अधिकारी ध्यान दें, ताकि पिछले वर्ष की तुलना में परीक्षा परिणाम बेहतर आए और प्रदेश में जिले का नाम रोशन हों।

मेधावी अलंकरण से सम्मानित हुए नितेश यादव एवं मोक्ष श्रीवास

सरस्वती शिशु मंदिर पुराना बस स्टैंड कोरबा के छात्र हैं दोनों

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सरस्वती शिशु मंदिर पुराना बस स्टैंड कोरबा के दो होनहार छात्र मेधावी अलंकरण से सम्मानित हुए रायपुर में आयोजित अलंकरण समारोह में नितेश यादव एवं मोक्ष श्रीवास को सम्मानित किया गया। भैया नितेश यादव ने मेधावी परीक्षा में छत्तीसगढ़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया है, वहीं भैया मोक्ष श्रीवास ने कक्षा पांचवीं में छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य, आचार्यगणों ने दोनों विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चलती ई-रिक्शा में महिला ने बच्चे को दिया जन्म:परिजन बोले-नहीं पहुंची एम्बुलेंस, मितानिन छोड़कर भागी

कोरबा (दिव्य आकश)।

कोरबा में महिला ने चलती ई-रिक्शा में बच्चे को जन्म दिया। एम्बुलेंस नहीं मिलने पर महिला को ई-रिक्शा से जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया जा रहा था। इस दौरान उसने रास्ते में नवजात को जन्म दिया। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ्य हैं।

परिजनों का आरोप है कि एम्बुलेंस (महतारी एक्सप्रेस- 102) को कॉल किया। लेकिन गाड़ी समय पर नहीं पहुंची। लेबर पेन भी बढ़ने लगा। ऐसे में महिला को ई-रिक्शा से लेकर पहुंचे। मितानिन पर भी लापरवाही का आरोप है। स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

नहीं पहुंची एम्बुलेंस, ई-रिक्शा में डिलीवरी

इस मामले में बाबूलाल विश्वकर्मा पेशे से राज मिस्त्री है। वह परिवार के साथ अयोध्यापुरी दर्री में रहता है। उसके 2 बच्चे हैं। गुरुवार सुबह पत्नी सीमा विश्वकर्मा को लेबर पेन होने लगा। जिसके बाद उसे स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। वहां मौजूद स्टाफ ने जांच के बाद बताया कि महिला में खून की कमी है।

प्रसव के दौरान दिक्कत हो सकती है, इसलिए उसे जिला मेडिकल कॉलेज ले जाने की सलाह दी। परिजनों ने महतारी एक्सप्रेस के लिए कॉल किया। काफी देर तक इंतजार के बाद एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी ने ई-रिक्शा चालक को कॉल कर बुलाया।

महिला के पति का कहना है कि मितानिन पत्नी की हालत देखकर मौके से अपने घर चली गई। मितानिन को बुलाने और कॉल करने के बावजूद वह उनके साथ जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल नहीं पहुंची।

ई-रिक्शा में बीच रास्ते बच्चे को जन्म दिया

महिला को ई-रिक्शा से अस्पताल ले जाया रहा था, इसी दौरान बुधवारी के पास महिला ने बच्चे को जन्म दिया। किसी तरह परिजन महिला को लेकर जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। ई-रिक्शा गेट के पास खड़ी कर दी। फौरन प्रसूता और नवजात शिशु को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जांच के बाद मितानिन पर होगी कार्रवाई

इस पूरे मामले में सीएचएमओ डाक्टर एसएन केसरी ने बताया कि महिला ने ई-रिक्शा में नवजात को जन्म दिया है। उन्हें जिला कॉलेज अस्पताल भर्ती किया गया है। अगर मितानिन की ओर से लापरवाही की गई है, तो उसकी जांच की जाएगी। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पीलीकोठी में श्री राम कथा का आरंभ 21 से, प्रात: 9.30 बजे भव्य कलश यात्रा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

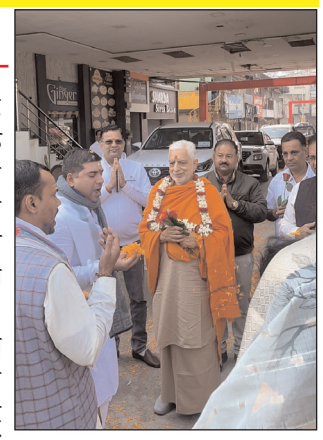

नगर में धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इस वर्ष श्री राम कथा का भव्य आयोजन 21 नवंबर से 29 नवंबर तक पीलीकोठी परिसर में किया जाएगा। 21 नवम्बर को प्रात: 9.30 बजे विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। समस्त कोरबा नगरवासियों की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है। कथा का वाचन श्री शंभू शरण लाटा जी द्वारा किया जाएगा, जो अपनी सरल, भावपूर्ण और प्रेरणादायक प्रवचन शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। श्रद्धालु प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र, आदर्शों और मर्यादा की दिव्य कथा का श्रवण कर सकेंगे।

कथा के दौरान भक्ति संगीत, कीर्तन और मधुर भजनों की प्रस्तुति से पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण व्याप्त रहेगा। आयोजन समिति ने बताया कि कथा का उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों, सदाचार और रामायण के जीवनोपयोगी संदेशों को प्रसारित करना है।

आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यवस्था प्रभारियों की टीम लगातार तैयारी में जुटी है।

व्यवस्था प्रभारी-रितेश कोड़िया, कैलाशनाथ गुप्ता, दीपक अग्रवाल, आशीष बत्रा और महेश अग्रवाल।

आयोजकों ने समस्त श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ इस पावन कथा में सम्मिलित होकर प्रभु श्रीराम की कृपा व आशीर्वाद प्राप्त करें।

11 सूत्री मांगों को लेकर भूविस्थापितों ने 4 घण्टे तक एसईसीएल सीएमडी मुख्यालय घेरा

कोरबा/बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

एसईसीएल के कुसमुंडा, गेवरा, दीपका, कोरबा क्षेत्र के प्रभावित गांव के भू विस्थापितों ने छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित रोजगार एकता संघ के नेतृत्व में अर्जन के बाद जन्म, छोटे खातेदारों को रोजगार एवं लंबित रोजगार की प्रकरणों का निराकरण कर सभी खातेदारों को रोजगार देने, आउट सोर्सिंग कार्यों में प्रभावित गांव के बेरोजगारों को 100% रोजगार देने की मांग को लेकर रैली निकालते हुए एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर के मुख्य द्वार को बंद कर घेराव किया और उग्र प्रदर्शन किया। एसईसीएल द्वारा प्रभावितों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेने पर प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और रोजगार देने की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। घेराव को रोकने के लिए दो चरण में बेरिकेटिंग की गई थी। बेरिकेटिंग को तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया गया, जिससे सुरक्षा में तैनात पुलिस बल और सुरक्षा कर्मियों के साथ धक्का मुक्की और काफी नोकझोंक भी हुई। सीएमडी से चर्चा करने पर सभी प्रदर्शनकारी अड़ गए। उसके बाद एसईसीएल मुख्यालय के अंदर से अधिकारी बाहर आकर एक प्रतिनिधि मंडल को मांगो के संबंध में चर्चा के लिए बुलाया।

वार्ता में किसान सभा के प्रतिनिधिमंडल में प्रशांत झा,दीपक साहू,रेशम यादव,दामोदर श्याम,रघु यादव,रमेश दास एवं एसईसीएल की ओर से सीएमडी हरीश दूहन, डीपी विरंची दास, के साथ बोर्ड मेंबर बैठक में उपस्थित थे।

बैठक में किसान सभा के प्रतिनिधि मंडल ने सीएमडी के सामने अर्जन के बाद जन्म और सभी छोटे खातेदारों को रोजगार देने की मांग को प्रमुखता से रखा सीएमडी हरीश दूहन ने सभी की बातों को गंभीरता से सुना और सभी समस्याओं के समाधान के लिए जल्द बैठक आयोजित कर समाधान का आश्वासन दिया, उसके बाद 4 घंटे के बाद घेराव समाप्त हुआ।

किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने बैठक में एसईसीएल के अधिकारियों से कहा की सभी भू विस्थापित किसानों जिनकी जमीन एसईसीएल ने अधिग्रहण किया है उन सभी खाते पर भू विस्थापितों को स्थाई रोजगार एसईसीएल को देना होगा। विकास परियोजना के नाम पर गरीबों को सपने दिखा कर करोड़ों लोगों को विस्थापित किया गया है अपने पुनर्वास और रोजगार के लिये भू विस्थापित परिवार आज भी भटक रहे हैं। इस बार गुमराह करने का प्रयास किया गया तो खदानों में उग्र आंदोलन होगा। किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू ने कहा कि पुराने लंबित रोजगार को लेकर एसईसीएल गंभीर नहीं है। किसानों को छोटे बड़े खातेदार के नाम पर बांटा जा रहा है किसानों की एकता में फुट डालने का काम एसईसीएल द्वारा किया जा रहा है छोटे खातेदारों को रोजगार से वंचित किया गया है और आउट सोर्सिंग कार्यों में भी प्रभावितों को प्राथमिकता नहीं देने का आरोप लगाया है।

भू विस्थापित रोजगार एकता संघ के दामोदर श्याम,रेशम यादव,रघु यादव, सुमेंद्र सिंह और दीपका क्षेत्र के पवन यादव ने कहा कि 1978 से लेकर 2004 के मध्य कोयला खनन के लिए जमीन को अधिग्रहित किया गया है लेकिन तब से अब तक विस्थापित ग्रामीणों को न रोजगार दिया गया है न पुनर्वास ऐसे प्रभावितों की संख्या सैकड़ों में है। सभी को रोजगार देना होगा इस पर एसईसीएल ने कहा कि लंबित रोजगार प्रकरणों में रोजगार देने के संबंध में प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी इस संबंध में जल्द एक और उच्च स्तरीय बैठक सीएमडी के उपस्थिति की जाएगी । मुख्यालय के सामने प्रदर्शन को प्रमुख रूप से वामपंथी नेता नंद कश्यप ने संबोधित किया और प्रदर्शन में प्रमुख रूप से सुमेन्द्र सिंह कंवर,दीनानाथ,अनिल बिंझवार, नरेश, नारायण, नरेंद्र, होरीलाल, ,डूमन, उमेश, विजय, बजरंग सोनी, उत्तम,जितेंद्र, गणेश, राजकुमारी,पुरषोत्तम,राम खिलावन, हेम लाल, विष्णु पटेल,चंद्रशेखर, शंकर, अमरजीत,कैलाश,संजय, पवन, राहुल,हरिहर, रमेश दास, सोनू, हीरा सिंह कंवर,प्रकाश, भीमदास, बिमल दास, विनोद, सुरेश, राजेंद्र राठौर, के साथ बड़ी संख्या में चारों क्षेत्र के भू विस्थापित उपस्थित थे।

मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं तो फिर आंदोलन

किसान सभा ने कहा कि मांगों पर आगे सकात्मक पहल नहीं हुई, तो 16 दिसंबर को गेवरा क्षेत्र एवं 30 दिसंबर को कुसमुंडा क्षेत्र में प्रदर्शन और खदान बंद भी किया जायेगा। किसान सभा ने आगे के आंदोलन के लिए नोटिस भी अधिकारियों को थमा दिया।

ये रही मांगे

1) भू विस्थापित जिनकी जमीन सन 1978 से 2004 तक अर्जन की गई है उन प्रत्येक खातेदार को रोजगार संबंधित प्रक्रिया पूरी कर जल्द रोजगार प्रदान किया जाए।

2) अर्जन के बाद जन्म के नाम से रोक गए रोजगार प्रकरणों का तत्काल निराकरण कर रोजगार प्रदान किया जाए।

3) प्रत्येक छोटे खातेदार को रोजगार प्रदान किया जाए।

4) जिन भू विस्थापितों का फाइल बिलासपुर मुख्यालय में है उन्हे तत्काल रोजगार प्रदान किया जाए।

5) जिन भू विस्थापितों की फाइल कुसमुंडा-गेवरा-दीपका एवं राजस्व विभाग में है उन्हें जल्द कार्यवाही कर रोजगार प्रदान करने की कार्यवाही पूरी कराई जाए।

6) जिन भू विस्थापितों की जमीन 1978 से 2004 तक अर्जन की गई है उनमें बचे हुए सभी भू विस्थापितों को बसावट प्रदान किया जाए।

7) कोल इंडिया द्वारा पूर्व में अधिग्रहित ग्राम जरहाजेल में मूल किसानों को जमीन वापस किया जाए।

8) गेवरा क्षेत्र अंतर्गत मनगांव बसावट को पुन: हटाने की कार्यवाही की जा रही है पूर्व में मिले प्रत्येक परिवार को पुन: बसावट या बसावट के एवज में मिलने वाली राशि प्रदान की जाए।

9) एसईसीएल में आउट सोर्सिंग से होने वाले सभी कार्यों में भू विस्थापित परिवार के बेरोजगारों को 100% रोजगार में रखा जाए।

10) पुनर्वास गांव में काबिज भू विस्थापित परिवार को पूर्ण काबिज भूमि का पट्टा दिया जाए।

11) गेवरा क्षेत्र अंतर्गत होने वाले अधिग्रहित ग्रामों में नए पुराने घरों के नाम पर परिसंपतियों का मूल्यांकन में कटौती बंद किया जाए और परिसंपतियो का पूर्ण मुआवजा दिया जाए।

रामसागर पारा में एसआईआर : पार्षद युगल कैवर्त और बीएलओ रहीजा रविंद्र ने लोगों का भराया फार्म

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर निगम कोरबा के वार्ड क्रमांक 1 दलिया गोदाम, रामसागर पारा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत वार्डवासियों से फार्म जमा कराने की प्रक्रिया जारी है। वार्ड पार्षद युगल कैवर्त और बी.एल.ओ. रहीजा रविंद्र द्वारा घर-घर जाकर पात्र नागरिकों के मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन हेतु आवश्यक प्रपत्र भरवाए जा रहे हैं।

इस दौरान पार्षद कैवर्त ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर नागरिक का वोट महत्वपूर्ण है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वार्ड का कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूट न जाए। वहीं बी.एल.ओ. रहीजा रविंद्र ने बताया कि सभी वार्डवासियों का एसआईआर फॉर्म नियमानुसार भरा जा रहा है और दस्तावेजों की जांच कर उन्हें समय पर निर्वाचन कार्यालय में जमा कराया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि पार्षद और बी.एल.ओ. द्वारा किए जा रहे घर-घर संपर्क अभियान से उन्हें मतदाता सूची से जुड़ी प्रक्रियाओं को समझने और फॉर्म भरने में काफी मदद मिल रही है।

डे केयर सेंटर-सियानगुड़ी संचालन हेतु समिति गठित

कोरबा (दिव्य आकाश) । कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा वरिष्ठ नागरिकों हेतु 25 सीटर डे केयर-सेंटर-सियानगुड़ी संचालन करने हेतु 08 सदस्यीय जिला स्तरीय वरिष्ठ नागरिक कल्याण एवं अभिसरण समिति गठन का आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा समिति के अध्यक्ष होंगे और अपर आयुक्त नगर पालिक निगम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अधीष्ठता चिकित्सा महाविद्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, उपसंचालक समाज कल्याण तथा जिला खेल अधिकारी को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है।

एसडीजी डैशबोर्ड डाटा एंट्री किये जाने के निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश) । कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों- वनमंडलाधिकारी वनमण्डल कोरबा, कटघोरा, उपसंचालक कृषि, समाज कल्याण, अधीक्षक भू-अभिलेख, महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र, जिला शिक्षा अधिकारी, प्रभारी अधिकारी सामान्य प्रशासन विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, सहायक श्रमायुक्त, कार्यपालन अभियंता विद्युत, क्रेडा और कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, मध्यम सिंचाई कोरबा को पत्र जारी कर ''एसडीजी डैशबोर्ड में वर्ष 2024-25 डिस्ट्रिक्ट इंडिकेटर की जानकारी एक सप्ताह में एण्ट्री कार्य पूर्ण कर पालन प्रतिवेदन जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय कोरबा को एक प्रति भेजकर सूचित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया है।

जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिसद की बैठक 6 दिसंबर को

कोरबा (दिव्य आकाश) । कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक 06 दिसंबर को प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है।

क्महिला आयोग द्वारा प्राप्त शिकायतों की सुनवाई 27 नवंबर को

कोरबा (दिव्य आकाश) । राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरणमयी नायक एवं न्याय पीठ द्वारा कोरबा जिले से प्राप्त शिकायतों की सुनवाई 27 नवंबर को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मे नियत की गई है।

ईमटी के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु पात्र-अपात्र की सूची जारी, दावा-आपत्ति 28 नवंबर तक आमंत्रित

कोरबा (दिव्य आकाश) । सीएचएमओ द्वारा जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत 102 महतारी एक्सप्रेस एम्बुलेंस हेतु इमरजेन्सी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) के 14 पदों (अनारक्षित 06, अ.जा. 01, अ.पि.व. 2, अ.ज.जा. 6) पर भर्ती हेतु प्राप्त आवेदन के आधार पर पात्र-अपात्र की सूची कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा तथा कोरबा जिले के शासकीय वेबसाईट www.korba.gov.in मे सर्व संबंधितों के अवलोकनार्थ एवं दावा आपत्ति हेतु अपलोड़ कर दिया गया है। सूची के समस्त कॉलमों का उम्मीद्वारों द्वारा सूक्ष्म अवलोकन कर दावा आपत्ति कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरबा में 28 नवंबर 2025 समय 5:00 बजे तक मय आवश्यक दस्तावेज सहित प्रस्तुत कर सकते हैं।

शुभमनगील दूसरे टेस्ट से बाहर
पृष्ठ - 07

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सहकारी समितियों के प्रबंधकों- ऑपरेटरों की हड़ताल खत्म : धान खरीदी में आएगी तेजी

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 14 से 27 नवंबर 2025

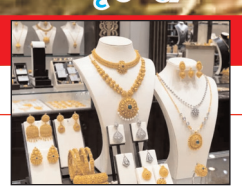

सोना रू.1,323 गिरकर रू.1.22 लाख प्रति 10 ग्राम पर आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 20 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 1,323 रुपए गिरकर 1,22,561 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,23,884 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। चांदी 4,007 रुपए गिरकर 1,54,113 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

अमेरिकी रिपोर्ट:ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने भारत को हराया,पहलगाम अटैक को भी आतंकी हमला नहीं माना

कांग्रेस बोली- भारतीय डिप्लोमेसी को बड़ा झटका

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

एक अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन की लड़ाई (ऑपरेशन सिंदूर) में पाकिस्तान को बड़ी सैन्य कामयाबी मिली थी।

इस रिपोर्ट में पहलगाम अटैक को भी आतंकी हमला न मानकर 'विद्रोही हमला' माना गया है। 800 पन्नों की इस रिपोर्ट को यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (SCC) ने जारी किया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस रिपोर्ट का विरोध जताते हुए इस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएंगे और विरोध जताएंगे? हमारी कूटनीति को एक और बड़ा झटका लगा है।

रिपोर्ट में किए गए दावे का स्क्रीनशॉट दावा- राफेल की इमेज को नुकसान

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसने कम से कम 6 भारतीय लड़ाकू विमानों को गिराया, जिनमें राफेल जेट भी शामिल हैं। इससे राफेल की इमेज को नुकसान पहुंचा। रिपोर्ट कहती है कि वास्तविक रूप से सिर्फ तीन भारतीय विमानों के गिराए जाने की पुष्टि होती है।

USCC का कहना है कि चीन ने भारत-पाकिस्तान युद्ध का इस्तेमाल अपने आधुनिक हथियारों को लाइव वॉर में टेस्ट करने और दुनिया को दिखाने के लिए किया।

लड़ाई के बाद दुनियाभर में चीनी दूतावासों ने अपने हथियारों की तारीफ की और कहा कि पाकिस्तान ने इनके इस्तेमाल से भारतीय लड़ाकू विमानों को गिराया।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के 5 महीने बाद चीन ने इंडोनेशिया को 75 हजार करोड़ रुपए में 42 J-10C फाइटर जेट बेचने की डील की थी।

दावा- पाकिस्तान को चीन से खुफिया इंटेलिजेंस मिले

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने इस लड़ाई में चीन से मिले हथियारों का इस्तेमाल किया और अपने सैन्य फायदे को दुनिया के सामने रखा। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने चीन के HQ-9 एयर डिफेंस सिस्टम, PL-15 मिसाइलें और J-10 फाइटर जेट का इस्तेमाल किया।

भारत का दावा है कि पाकिस्तान को इस दौरान चीन से खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस) भी मिली। हालांकि पाकिस्तान ने इसे नकार दिया और चीन ने इस पर कुछ भी साफ नहीं कहा। रिपोर्ट के मुताबिक 2019-2023 के बीच पाकिस्तान के 82% हथियार चीन से आए हैं।

रिपोर्ट जारी करने वाली USCC के बारे में जानिए

90 के आखिरी दशक में जब चीन बहुत तेजी से आर्थिक और तकनीकी तौर पर ताकतवर हो रहा था तो अमेरिका में इसे लेकर चिंता बढ़ी।

अमेरिकी नेता यह मानने लगे कि चीन से आने वाले आर्थिक फायदे और सुरक्षा खतरे दोनों को साथ-साथ समझना जरूरी है।

ऐसे में चीन पर नजर रखने के लिए एक कमेटी बनाई गई जिसका काम यह पता लगाना था कि चीन की आर्थिक या तकनीकी गतिविधि अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा तो नहीं बन रहीं।

USCC खुद कोई कार्रवाई नहीं करती, बस रिपोर्ट बनाकर अमेरिका की संसद को देती है।

आयोग की सिफारिशों को अंतिम रिपोर्ट में शामिल करने के लिए, उन्हें कम से कम 8 सदस्यों (दो-तिहाई) के समर्थन की जरूरत होती है।

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं-महिलाएं समाज की धरोहर हैं

कहा-बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों का जीना खराब कर दिया था, पंडो जनजाति को सभा में जाने से रोका

अम्बिकापुर (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं। महिलाएं आगे बढ़ेंगी तो समाज का विकास होगा। साथ ही कहा कि बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना खराब कर दिया था। अंग्रेजों को सिर्फ बिरसा मुंडा ही दिखते थे।

कार्यक्रम में मुर्मू ने कहा कि हम बिरसा मुंडा की पीढ़ी हैं। आदिवासी संस्कृति को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। हमें आदिवासी संस्कृति को बचाना है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी युवाओं को सम्मानित किया। साथ ही वैद्यों और देवस्थलों से जुड़ी योजना मुख्यमंत्री वैद्यराज सम्मान योजना और मुख्यमंत्री ग्राम अखरा विकास योजना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 70 साल पहले डॉ. राजेंद्र प्रसाद के गोद लिए गए बच्चों से भी मिलीं।

वहीं सरगुजा में पंडो जनजाति के लोगों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में जाने से प्रशासन ने रोक दिया। इससे पंडो जनजाति के लोगों में आक्रोश देखने को मिला।लखनपुर विकासखंड के ग्राम परसोडी कला के पंडो जनजाति के लोग थे, जिन्हें सिंगी टाना टोल प्लाजा के पास रोका गया था।

कार्यक्रम में ष्टरूसाय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के घरों तक बिजली पहुंची, बस्तर में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। आदिवासियों का विकास हो रहा है। बस्तर के लोगों को राशन मिल रहा है। वहीं राज्यपाल रामेन डेका ने कहा कि बिरसा मुंडा महान वीर थे, जिन्हें आज याद किया जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- जनजाति समाज की संस्कृति पर ध्यान देने की जरूरत है

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को प्रमोट होने की जरूरत है, क्योंकि यह बेहद खूबसूरत और सुंदर है। ऐसे कार्यक्रमों में मैं जब जाती हूं तो जनजाति परिवार के लोगों से मुलाकात करती हूं। जनजाति महिलाओं से मुलाकात करने पर मुझे अच्छा लगता है।

स्थानीय स्तर पर भी जनजाति समाज की संस्कृति और उनके विकास को प्राथमिकता से ध्यान देने की जरूरत है। शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, जंगल, जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को मजबूत करने के लिए काम करने की जरूरत है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- छत्तीसगढ़-झारखंड और ओडिशा की दोस्ती बहुत गहरी

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि ओडिशा और छत्तीसगढ़ की दोस्ती बहुत पुरानी है। छत्तीसगढ़-झारखंड और ओडिशा के जनजाति समाज की विरासत बहुत गहरी है। छत्तीसगढ़ के जनजाति समाज के लोग अपनी संस्कृति और परंपरा को बनाए रखे हुए हैं। इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं।

मुर्मू ने कहा कि आदिवासियों को अपनी संस्कृति को जीवित रखना बहुत जरूरी है। मैं भी जनजाति समाज की बेटी हूं। जनजाति परिवार में जन्म लेने पर मुझे बहुत गर्व है। जनजाति समाज की परंपरा को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं।

राष्ट्रपति बोलीं- जल, जंगल और जमीन को बचाने की जरूरत है

राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी संस्कृति को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत।

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- हम बिरसा मुंडा की पीढ़ी हैं

अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुर्मू ने कहा कि अंग्रेजों को सिर्फ बिरसा मुंडा ही दिखते थे। हम बिरसा मुंडा की पीढ़ी हैं। हमको आदिवासी संस्कृति को बचाना है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी युवाओं को सम्मानित किया।

राष्ट्रपति बोलीं- बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों का जीना खराब कर दिया था

राष्ट्रपति मूर्मू ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों का जीना खराब कर दिया था, आदिवासियों को कदम-कदम मिलाकर चलना होगा। संस्कृति को बचाना होगा।

राज्यपाल बोले- बिरसा मुंडा महान वीर थे, जिन्हें आज याद किया जा रहा

अंबिकापुर में बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में राज्यपाल रामेन डेका ने कहा कि बिरसा मुंडा महान वीर थे, जिन्हें आज याद किया जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने आदिवासियों युवाओं को सम्मानित किया।

सरगुजा में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने आदिवासियों युवाओं को सम्मानित किया।

छत्तीसगढ़-ओडिशा के लोगों में रोटी और बेटी का संबंध

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अंबिकापुर में व्यापक स्तर पर 15 नवंबर से लेकर 20 नवंबर तक जनजाति गौरव दिवस मनाया गया है। जनजाति समाज का इस देश में बहुत बड़ा योगदान है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अंबिकापुर से ओडिशा, झारखंड 200 किलोमीटर दूर है। छत्तीसगढ़ ओडिशा से सटा हुआ है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के लोगों में रोटी और बेटी का संबंध है। छत्तीसगढ़ के लोग ओडिशा में शादी करते हैं। ओडिशा वाले छत्तीसगढ़ में शादी करते हैं।

राष्ट्रपति बोलीं- जल, जंगल और जमीन को बचाने की जरूरत है

सीएम बोले- छत्तीसगढ़ में आदिवासियों का विकास हो रहा

कार्यक्रम में मंच से सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के घरों तक बिजली पहुंची, बस्तर में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। आदिवासियों का विकास हो रहा है। बस्तर के लोगों को राशन मिल रहा है। हर घर तक विकास पहुंच रहा है।

हिड़मा की लाश से लिपटकर रोई सोनी सोढ़ी:शव पर काली पैंट-शर्ट डाली, पत्नी राजे की लाल जोड़े में विदाई, पूवर्ती में अंतिम संस्कार

जगदलपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर हुए मुठभेड़ में मारे गए मोस्ट वांटेड नक्सली माड़वी हिड़मा और उसकी पत्नी राजे का पूवर्ती में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले घर पहुंचीं सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी हिड़मा के शव से लिपटकर रोई, शव पर काली पैंट-शर्ट डाली। पत्नी राजे को लाल जोड़े में अंतिम विदाई दी गई। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पूवर्ती, जबगट्टा, बटुम, टेकलगुडेम और मीनट्टा गांवों के लोग पहुंचे। परिवार ने मांग की थी कि गांव में हिड़मा का अंतिम संस्कार करना चाहते हैं। छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर 18 नवंबर की सुबह सुरक्षाबलों ने हिड़मा, उसकी पत्नी सहित 7 नक्सलियों को ढेर किया था। हिड़मा ने 35 वर्षों में 300 से अधिक

लोगों की हत्या की थी, जिनमें अधिकांश जवान शामिल थे। वह 76 CRPF जवानों की हत्या का मास्टरमाइंड था और उसने राहत शिविर में 31 लोगों को जिंदा जलाकर मारने की वारदात को भी अंजाम दिया था।

अमेरिका भारत को 100 टैंक किलर मिसाइल देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका भारत को 100 जेवलिन मिसाइल सिस्टम (FGM-148) और 216 एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल स्मार्ट तोपगोला (M982A1) बेचेगा। इनके लिए दोनों देशों के बीच में 92.8 मिलियन डॉलर (करीब 775 करोड़ रुपए) की डील हुई है। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (DSCA) ने बुधवार को बताया कि इस बिक्री के लिए जरूरी मंजूरी और डिटेल्स अमेरिकी संसद कांग्रेस को भेज दी गई है।

एसआईआर:कलकत्ता से लौट रहे अवैध बंगलादेशी

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत और बांग्लादेश के बीच बॉर्डर वाले इलाके हकीमपुर में बांग्लादेशी अपने देश लौटने का इंतजार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात BSF ने दावा किया है कि बॉर्डर पार करने की कोशिश करने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ गई है, यह वापसी राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन से जुड़ी है।

बीजापुर में 10 किलो का आईईडी बरामद

चिहका-उसपरी मार्ग पर मिला विस्फोटक, सुरक्षा बलों ने किया निष्क्रिय

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में गुरुवार को सुरक्षा बलों ने एक नक्सली साजिश को नाकाम कर दिया। चिहका-उसपरी रोड पर माओवादियों की ओर से प्लांट किया गया 10 किलो का कमांड आईईडी बरामद कर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। यह संयुक्त कार्रवाई भैरमगढ़ थाना पुलिस और बीजापुर बम निरोधक दस्ता टीम की ओर से की गई। सुरक्षा बल नियमित गश्त और तलाशी अभियान के लिए उसपरी क्षेत्र में निकले थे। इसी दौरान सड़क किनारे एक संदिग्ध इलेक्ट्रिक तार दिखाई दिया।

नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री:26 मंत्रियों ने भी शपथ ली, इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री, एक मुस्लिम चेहरा

पटना (एजेंसी)।

नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में गुरुवार को हुए भव्य समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 बीजेपी कोटे से, 8 जदयू से, 2 लोजपा (क्र) से जबकि हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है।

शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शपथ समारोह में शामिल हुए। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

13 नए चेहरों को मौका

नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं।

एनडीए की सभा इसलिए भी खास रही कि यहां अर्से बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सांसद चिराग पासवान मंच पर एकसाथ दिखे। चिराग ने नितीश एवं नड्डा के पैर छुए।

सीबीआई की रेलवे कंस्ट्रक्शन ऑफिस में रैड, इतना मिला कैश कि गिनने के लिए मंगवानी पड़ी मशीन

हाजीपुर (एजेंसी)।

बिहार के हाजीपुर में मंगलवार का दिन अचानक हलचल से भर गया, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने पूर्व मध्य रेलवे के निर्माण विभाग के दफ्तर में धमाकेदार छापेमारी कर दी। आमतौर पर शांत रहने वाला यह सरकारी परिसर कुछ ही मिनटों में अफरा-तफरी के माहौल में बदल गया। वजह—रेलवे निर्माण से जुड़ी भारी-भरकम रिश्वतखोरी का खुलासा, जिसमें करोड़ों रुपये की कैश बरामद की गई और कई अधिकारियों को हिरासत में लिया गया।

सीबीआई का बड़ा एक्शन: तीन लोग गिरफ्तार, करोड़ों की घूस पकड़ी गई

सीबीआई अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान रेलवे कंस्ट्रक्शन कार्यालय से एक वरिष्ठ इंजीनियर और दो निजी कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। जांच के दौरान लगभग एक करोड़ रुपये नकद बरामद हुए, जिन्हें अलग-अलग पैकेटों में बांटा गया था। माना जा रहा है कि ये रकम विभिन्न अधिकारियों तक पहुंचाई जानी थी।

किस कंपनी से जुड़ा है घोटाला?

सूत्रों के अनुसार, झारखंड स्थित एक संवेदक को बिहार के कई जिलों में निर्माण कार्य का ठेका दिया गया था। यह प्रोजेक्ट सुगौली (मोतिहारी) से लेकर अररिया जिले तक फैला हुआ है। करीब एक करोड़ रुपये की जो रकम पकड़ी गई, वह कथित तौर पर इसी निर्माण कार्य से जुड़ी रिश्वत मानी जा रही है।

कौन-कौन आया सीबीआई के शिकंजे में?

छापेमारी के दौरान ये लोग हिरासत में लिए गए—

डिप्टी चीफ इंजीनियर-II आलोक कुमार, कार्यालय क्लर्क आलोक कुमार दास, कार्यालय के चपरासी मनीक दास इसके अलावा संवेदक से जुड़े दो और व्यक्तियों को भी टीम अपने साथ ले गई।

कैश गिनने की मशीन मंगवानी पड़ी

बरामद रकम इतनी ज्यादा थी कि सीबीआई ने मौके पर ही नोट गिनने की मशीन बुलवाई। देर रात तक पैसों की गिनती और दस्तावेजों की जांच चलती रही।सीबीआई अधिकारियों ने निर्माण विभाग के पूरे परिसर में स्थित सभी कमरों, केबिनों और रिकॉर्ड सेक्शन की गहन तलाशी ली।

कई ठिकानों पर भी छापे जारी

मामला दर्ज करने के बाद एजेंसी ने रैकेट में जुड़े अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के घरों व ठिकानों पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि रिश्वत की यह रकम किस-किस तक पहुंचने वाली थी और घूसखोरी का यह नेटवर्क कितना बड़ा है।

सुविचार

सपने वो हैं, जहां पर आपकी इच्छाशक्ति और आपकी मेहनत दोनों उस कार्य को पूरा करने में लग जाते हैं।

राजनीति

बिहार चुनाव : यह चमत्कार ही तो है...

गत 14 नवम्बर को बिहार चुनाव का परिणाम सामने आया और 20 नवम्बर को जश्न के साथ नितीश कुमार ने मुख्यमंत्री के रूप में 10वीं बार शपथ ली। इसे नितीश के व्यक्तित्व का चमत्कार मानें या फिर मोदी के व्यक्तित्व का, या फिर महिलाओं के खाते में चुनाव से पूर्व 10-10 हजार की राशि डालना। राजनीतिक हलको में चर्चा यह भी है कि बिहार में 100 प्रतिशत से भी अधिक वोट डाले गए। निर्वाचन आयोग द्वारा जो डाटा सार्वजनिक किया गया, उसमें 100 प्रतिशत से अधिक वोट डालने का चमत्कार हुआ। चारों तरफ जश्न का माहौल है... मोदी, नड्डा, शाह सब खुश हैं, क्योंकि सभी ने चुनाव में जमकर मेहनत की और सबने मिलकर चमत्कार किया। जनता खुश है कि मोदी ने ऐसा चमत्कार किया, कि चुनाव से पूर्व हर महिलाओं के खाते में 10-10 हजार बरसे। भगवा बिहार में फिर से लहराया और 10वीं बार नितीश कुमार मुख्यमंत्री बने... यह भी उनके करिश्माई व्यक्तित्व का चमत्कार है। नितीश ने बिहार की जनता के लिए अपने कार्यकाल में जो रोडमैप तैयार किया, बिहार से लूट, अपहरण, डकैती का जो बिजनेस चल रहा था, उसे खात्मे में डाला और शांति का सूर्योदय हुआ। खुशहाली की डगर पर चलता बिहार नितीश को फिर से भा गया और बिहार का नेतृत्व फिर उनके हाथों में इस अपेक्षा के साथ सौंप दिया कि नितीश के हाथों में बिहार सुरक्षित है। शराबबंदी ने नितीश को सुपरकॉप बना दिया और शराबबंदी के मामले में बिहार देश में रोल मॉडल साबित हुआ।

-संपादक

बिजली महादेव मंदिरः जहां हर 12 साल में टूटता और जुड़ता है शिवलिंग

हिमाचल प्रदेश की वादियों में स्थित बिजली महादेव मंदिर एक ऐसा मंदिर है, जो अपनी अनोखी घटनाओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां का शिवलिंग हर 12 साल में आकाशीय बिजली से प्रभावित होता है और उसके टुकड़े हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस रहस्य के पीछे की कहानी और परंपरा।

हर 12 साल पर गिरती है बिजली

यह मंदिर कुल्लू जिले की ऊंची पहाड़ियों पर स्थित है, समुद्र तल से लगभग 7874 फीट की ऊंचाई पर। स्थानीय लोगों के अनुसार, हर बार 12 वर्षों में एक आकाशीय बिजली सीधे शिवलिंग पर गिरती है, जिसे भगवान शिव की दिव्य लीला माना जाता है। माना जाता है कि भगवान शिव अपने ऊपर बिजली गिराकर धरती पर आने वाले संकटों को पहले ही सहते हैं, इसलिए जैसे ही बिजली गिरती है, शिवलिंग टुकड़े-टुकड़े हो जाता है।

शिवलिंग का अनोखा लेप और पूजा

शिवलिंग टूटने के कुछ दिनों बाद पुजारी और स्थानीय लोग मक्खन और सत्तू का लेप लगाकर उसके टुकड़ों को जोड़ते हैं। कुछ समय बाद यह लेप धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है और शिवलिंग पुनः पुराने रूप में नजर आने लगता है। इसके बाद पूजा विधिपूर्वक की जाती है। स्थानीय लोग इसे भगवान की चमत्कारी लीला मानते हैं और इस परंपरा को बड़े श्रद्धा और भक्ति के साथ निभाते हैं।

बिजली महादेव मंदिर की पौराणिक कथा

कहा जाता है कि ब्यास नदी के पास कुलांत नामक राक्षस घाटी को डुबाने की योजना बना रहा था। वह अजगर का रूप लेकर लोगों को डराने लगा। तब भगवान शिव प्रकट हुए और उस राक्षस का वध किया। राक्षस की पूंछ में आग लगने के बाद उसकी मृत्यु हो गई। इस पर्वत पर राक्षस का शरीर गिरा था और इसी स्थान पर बिजली महादेव की स्थापना हुई। इस कारण इसे कुलांत पीठ के नाम से भी जाना जाता है।

बिजली महादेव मंदिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हिमाचल की संस्कृति और रहस्यों का प्रतीक है। यहाँ हर 12 साल की घटना और शिवलिंग की पुनर्स्थापना इसे और भी अद्भुत बनाती है।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन पश्चात बस्तर में 54 सिंचाई योजनाओं का हुआ निर्माण

द्विफसलीय क्षेत्र के जरिए किसान कर रहे हैं आय संवृद्धि

छत्तीसगढ़ राज्य को उदित हुए 25 वर्ष की अवधि में बस्तर जिले के अंतर्गत किसानों को सिंचाई संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए सकारात्मक प्रयास किया गया है। जिसके फलस्वरूप अब तक कुल 92 सिंचाई योजनाओं के माध्यम से 32 हजार 656 हेक्टेयर सिंचित रकबे का सृजन किया गया है। बस्तर जिले में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व 38 लघु सिंचाई योजनाओं से 7521 हेक्टेयर खरीफ एवं 1386 हेक्टेयर रबी कुल 8907 हेक्टेयर रकबे में सिंचाई हो रही थी।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद किसानों को खेती-किसानी के लिए ज्यादा से ज्यादा सिंचाई साधन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जिले में 54 सिंचाई योजनाओं का निर्माण कर 23 हजार 749 हेक्टेयर सिंचित रकबा का सृजन किया गया है। जिसमें 18 हजार 129 हेक्टेयर खरीफ और 5620 हेक्टेयर रबी फसल हेतु सिंचाई क्षेत्र विकसित किया गया है। इन सभी सिंचाई संसाधनों के माध्यम से क्षेत्र के किसानों द्वारा द्विफसलीय खेती-किसानी को बढ़ावा देकर आय संवृद्धि किया जा रहा है।

कोसारटेडा, बेदारमुंडा एवं टिकरालोहंगा जैसी परियोजनाओं से नगदी फसल के रकबे में हुई वृद्धि

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद जल संसाधन विभाग के द्वारा बस्तर जिले में कोसारटेडा मध्यम सिंचाई परियोजना सहित बेदारमुंडा एवं टिकरालोहंगा लघु सिंचाई तालाब, कुम्हरावण्ड, बनियागांव एवं भालूगुड़ा उदवहन सिंचाई योजना, मूली एवं कावारास व्यपवर्तन योजना और 46 एनीकट एवं स्टॉपडेम निर्मित किया गया है। इन सिंचाई साधनों के निर्माण एवं सिंचित रकबा में वृद्धि के फलस्वरूप अब किसानों में नकदी फसलों की ओर रुझान बढ़ रहा है। जिससे बस्तर जिले के किसान आवश्यकता के अनुरूप खरीफ फसल में सिंचाई करते हैं और रबी सीजन में मक्का, उड़द-मूंग एवं साग-सब्जी की भरपूर पैदावार लेकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रहे हैं।

कोसाटेडा जलाशय से लाभन्वित होने वाले केशरपाल निवासी कृषक डमरूधर कश्यप और पीलूराम बघेल बताते है कि रबी में मक्का सहित साग-सब्जी की खेती कर आमदनी में इजाफा कर रहे हैं। कार्यपालन अभियंता टीडीपीपी जल संसाधन संभाग जगदलपुर से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में जिले के अन्तर्गत 195 करोड़ 36 लाख रूपए लागत की 42 सिंचाई योजनाओं का निर्माण प्रगति पर है, इन योजनाओं के पूर्ण होने पर 6790 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता निर्मित होगी। जिससे किसानों को खेती-किसानी को बढ़ावा देने में सहूलियत होगी।

-जसं छत्तीसगढ़

मोदी का मैजिक बरकरार इंडि पर विश्वास क्यों नहीं कर पा रही जनता!

इंडि गठबंधन बिहार में भी ठगा सा महसूस कर गया। तेजस्वी की छवि इस बार काम नहीं आई और बिहार की जनता ने संभावित गुंडाराज को नकार दिया। तेजस्वी ने इंडि गठबंधन के घोषणा पत्र में बड़े-बड़े वादे किए। एक घर से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी जैसा वादा... बिहार की जनता को रास नहीं आया। इंडि गठबंधन ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री का फेस बनाकर दमदारी के साथ चुनाव लड़ा और पूरी तरह से फेल हो गया। बिहार की जनता को नितीश का रोडमैप पसंद आया और 20 नवम्बर को वे 10वीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

यंग ग्रुप को चिराग पासवान भी पसंद आया और चिराग पासवान अपने पिता रामविलास पासवान को भी राजनीति में पछाड़ कर इतिहास रच दिया और अपने पिता का नाम रोशन कर दिया। उन्होंने इस चुनाव में जबर्दस्त छाप छोड़ी और अपने सौम्य और कुशल व्यवहार से बिहार की जनता का दिल जीत लिया।

मोदी का मैजिक बिहार चुनाव में बरकरार रहा और भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। भाजपा को 89, जदयू को 85 और चिराग पासवान की लोक जन शक्ति पार्टी को 19 सीट हासिल हुई। जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) मोर्चा को 5 सीटें तथा उपेंद्र कुशवाह की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 4 सीटें मिली। इंडि गठबंधन को 25 सीटों पर संतोष करना पड़ा। एआईएमआईएम ने फिर से शानदार प्रदर्शन किया और 5 सीटें दोहराई। तेजस्वी के चक्कर में कांग्रेस का बंटाधार हो गया। वक्त आ गया है कि कांग्रेस अपने बूते पर जनता का विश्वास हासिल करे।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

हर की दून वैली

सर्दियों में रोमांचक ट्रेकिंग का नया ठिकाना, मिलेगा सुकून और बर्फबारी का जादू

उत्तराखंड की हर की दून वैली सर्दियों में रोमांचक ट्रेकिंग के लिए नया ठिकाना बन उभरी है, जहां बर्फबारी का जादू और मनमोहक दृश्य पर्यटकों को खूब भा रहे हैं। यह खूबसूरत घाटी, जिसे स्वर्ग का रास्ता भी कहा जाता है, ट्रेकिंग के शौकीनों को एक अविस्मरणीय विंटर अनुभव प्रदान करती है।

भारत में घूमने के लिए जगहों की कमी नहीं है। कुछ लोगों को पहाड़ों पर घूमने का क्रेज होता है और कुछ लोगों को सुकून भरे बीच पसंद होते हैं। कई लोगों को सर्दियों के मौसम में ट्रैकिंग करना बेहद पसंद होता है। लोग ठंड के मौसम में स्नोफॉल, बर्फीले पहाड़, बर्फ की सफेद चादर से ढके रास्ते, सर्द हवाएं और शांत वातावरण मन को सुकून पहुंचाते हैं। अगर आप लाइफ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप उत्तराखंड की हर की दून घाटी जरुर जाएं।

कहां पर स्थित है हर की दून वैली ?

आपको बता दें कि, हर दून एक 'क्रेडल-शेप्ड' यानी पालने जैसी वैली है, जो कि गोविंद बल्लभ पंत नेशनल पार्क के बीच बसी हुई है। ये जगह समुद्र तल से करीब 3566 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और उत्तरकाशी जिले के गढ़वाल हिमालय क्षेत्र में आती है। चारों ओर बर्फ से ढकी चोटियां और शांत वातावरण किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

इस जगह से जुड़ी है पौराणिक कथा

यह वही स्थान माना जाता है, जहां पांडवों में सबसे बड़े युधिष्ठिर ने स्वर्गारोहिणी पर्वत से स्वर्ग की ओर प्रस्थान किया था। इसी कारण इस घाटी को स्वर्ग का रास्ता भी कहा जाता है। रास्ते में पड़ने वाले ओसला, गंगाड़ और धातमीर जैसे गांवों को लगभग 3000 साल पुराना बताया जाता है। यहां के लोग आज भी अपनी पारंपरिक जीवनशैली में रचे-बसे हैं और आधुनिक तकनीक से काफी हद तक दूर रहते हैं।

हर दून की खासियत ?

हर दून वैली में नेचर के हर रंग देखने को मिलते हैं। विंटर में यह जगह बर्फ से ढक जाती है। अगर आप भी बर्फीले ट्रैक का मजा लेना चाहते हैं, तो सर्दी का समय सबसे बेहतर है। यह जगह गोविंद पशु विहार वन्यजीव अभयारण्य के अंदर आती है। यहां पर ट्रैकिंगके दौरान पक्षी और जंगली जानवरों की झलक देखने को मिल जाएगी। यहां ट्रैक आसान बेहद ही आसान माना जाता है। जो भी नए ट्रैकर्स यहां पर जरुर जाएं। घने जंगल, थामसा नदी के किनारे और लकड़ी के पुराने पुलों से गुजरता हुआ ये ट्रैक आपको किसी फिल्म के सेट जैसा एहसास कराता है।

कब जा सकते हैं हर की दून वैली ?

यदि आप हर की दून वैली में ट्रैकिंग करना चाहती हैं, तो आप दिसंबर से मार्च तक समय बेस्ट होता है। इस दौरान बर्फ से ढके पहाड़ बहुत ही सुंदर लगते हैं। यहां नजर स्वर्ग से कम नहीं है। अगर आप यहां जाने का प्लान बनाएंगे, तो इसके लिए आपको 6-7 दिन का समय लग सकता है। यहां ट्रैकिंग के अलावा, कैपिंग और फोटोग्राफी कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे

हवाई मार्ग- अगर आप हर दून वैली जाना चाहते हैं, तो देहरादून का जॉली ग्रांट एयरपोर्ट सबसे पास है।

रेल मार्ग- देहरादून रेलवे स्टेशन से सड़क मार्ग होकर पुरोला या तलुका गांव तक पहुंच सकती हैं, जो ट्रैक की शुरुआत का प्वाइंट है।

सड़क मार्ग- उत्तराखंड के बड़े शहरों से बस या टैक्सी के जरिए पुरोला तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

हर की दून ट्रैवल टिप्स

- हर की दून ट्रेक भले ही आसान लग रहा हो में, लेकिन इसकी लंबी दूरी इसे थोड़ा चुनौतीपूर्ण बना देती है। इसलिए ट्रेक पर जाने से पहले शरीर का फिट होना और हल्का-फुल्का वार्मअप करना जरूरी है।

- अगर आपको अपना बैग उठाने में दिक्कत होती है, तो ट्रेकिंग सीजन में आसानी से उपलब्ध खच्चरों की मदद ले सकती हैं।

- इसके साथ ही, रास्ते में किसी भी तरह की परेशानी से बचने के लिए एक अनुभवी गाइड साथ रखना सबसे बेहतर रहता है, क्योंकि गाइड न सिर्फ रास्ता अच्छी तरह जानता है बल्कि आपको भटकने से भी बचाता है। एजेंसी।

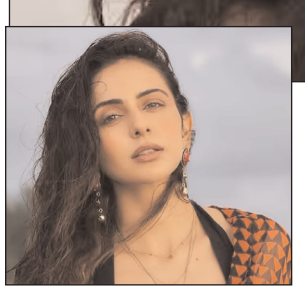

डीप-नेक ब्लैक ड्रेस में रकुल ने काटा बवाल, समुंदर किनारे दिए कातिलाना पोज
उनका यह लुक सिंपल होते हुए भी बेहद क्लासी दिख रहा है।

गोल्डन एम्ब्रॉयडर्ड लहंगे अदिति का रॉयल ब्राइडल लुक, सिर पर दुपट्टा लेकर दिखाई ऐसी कातिल अदा कि दिल हार बैठे फैंस
बॉलीवुड की सबसे एलिगेंट और ग्रेसफुल एक्ट्रेसेस में शुमार अदिति राव हैदरी एक बार फिर अपने ब्राइडल लुक को लेकर चर्चा में हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के छत्तीसगढ़ आगमन पर राज्यपाल ने भेंट की भित्ती चित्रकारी की पेंटिंग

रायपुर (दिव्य आकाश)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के छत्तीसगढ़ आगमन पर अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित समारोह में राज्यपाल रमेन डेका ने उन्हें भित्ती चित्र की पेंटिंग भेंट की। भित्ती कला चित्रकला का यह रूप है, जिसमें घर की दिवारों पर उभरी हुई आकर्षक आकृतियों का प्रदर्शन होता है।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता पर बड़ी कार्रवाई,प्रधानपाठक एवं दो सहायक शिक्षक निलंबित

बलौदाबाजार (दिव्य आकाश)।

अनुशासनहीनता क़ो बढ़ावा देने, शराब पीकर विद्यालय आने, शाला समय में अनुपस्थित, निर्वाचन कार्य में बी.एल.ओ. की ड्यूटी लगाये जाने के बाद भी जिम्मेदारीपूर्वक कर्तव्य का निर्वहन नहीं करने सम्बन्धी शिकायत पर बलौदाबाजार जिले में कड़ी कार्यवाही करते हुए प्रभारी प्राचार्य एवं दो सहायक शिक्षक क़ो निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी विकासखंड सिमगा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला मोटियारीडीह में पदस्थ प्रधानपाठक उमेश कुमार वर्मा एवं सहायक शिक्षक (एल.बी.) संदीप कुमार साहू द्वारा मद्यपान कर शाला आने एवं शाला समय में अनुपस्थित पाये गए। इसी तरह विकासखंड सिमगा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला दर्रीपारा केसदा में पदस्थ सहायक शिक्षक (एल.बी.) मिथलेश कुमार वर्मा का निर्वाचन कार्य में बी.एल.ओ की ड्यूटी लगाये जाने के बाद भी जिम्मेदारीपूर्वक कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया गया।

प्रधान पाठक एवं शिक्षकों के उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 9 के विपरीत मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रधानपाठक उमेश कुमार वर्मा, सहायक शिक्षक (एल.बी.) संदीप कुमार साहू एवं मिथलेश कुमार वर्मा क़ो तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कसडोल एवं पलारी नियत किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता क़ी पात्रता होगी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का अंबिकापुर में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय स्वागत

रायपुर (दिव्य आकाश)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के अंबिकापुर आगमन पर गांधी स्टेडियम हेलीपेड में राज्यपाल रमेन डेका ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित थे।

एसआईआर फॉर्म भरते समय साइबर ठगी से सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ ने नागरिकों को ओटीपी धोखाधड़ी से बचने की अपील की है

रायपुर (दिव्य आकाश)।

कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत गणना फॉर्म भरने वाले मतदाताओं और नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा सूचना जारी की है। इस सूचना का उद्देश्य लोगों को उनके मोबाइल नंबर के संभावित दुरुपयोग और ओटीपी आधारित धोखाधड़ी से बचाना है।

सावधान! OTP कभी शेयर न करें

विभाग ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर फॉर्म भरते समय मोबाइल नंबर देना पूरी तरह से सुरक्षित है, लेकिन नागरिकों को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि कुछ साइबर अपराधी इसी बहाने ठगी करने की कोशिश कर सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जोर देकर कहा है कि बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के माध्यम से एसआईआर फॉर्म भरने के लिए किसी भी प्रकार के ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती है।

कोई भी अधिकारी, कर्मचारी या बीएलओ आपसे ओटीपी नहीं मांगता है।

मुख्य निर्देश और चेतावनी बिंदु-

कॉल आने पर तुरंत मना करें - यदि आपको कोई व्यक्ति फोन करे और कहे कि 'आपके SIR से जुड़े मोबाइल पर जो OTP आया है, वह हमें दे दीजिए,' तो उन्हें तुरंत मना कर दें।

BLO से सीधे संपर्क करें- कॉल करने वाले व्यक्ति को साफ-साफ कहें कि 'मैं कार्यालय जाकर बात करूँगा/करूंगी या अपने BLO से संपर्क करूँगा/करूंगी।'

दबाव या धमकी पर पुलिस को सूचना दें- अगर कोई व्यक्ति OTP मांगने के लिए दबाव डाले, धमकी दे या जोर डाले, तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में सूचना दें।

विभिन्न राज्यों की पुलिस ने नागरिकों को 'SIR फॉर्म' भरने की प्रक्रिया से जुड़ी एक नई प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी (स्कैम) के प्रति आगाह किया है और लोगों से अपील की है कि वे किसी भी सूरत में अपने मोबाइल फोन में प्राप्त वन टाइम पासवर्ड (OTP) किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें।

आपकी सतर्कता ही आपकी सुरक्षा है।

अधिक जानकारी के लिए : हेल्पलाइन नंबर: 1950

सोशल मीडिया : @CEOChhattisgarh (फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम)

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया छत्तीसकला ब्राण्ड एवं डिजिटल फाइनेंस बुकलेट का किया विमोचन

रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बुधवार का दिन ग्रामीण आजीविका, महिला उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को नई ऊर्जा देने वाला दिन रहा। जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त के राज्य स्तरीय वितरण कार्यक्रम के अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और हजारों ग्रामीण महिलाओं की उपस्थिति में बहुप्रतीक्षित एकीकृत राज्य ब्राण्ड छत्तीसकला तथा डिजिटल फाइनेंस बुकलेट का विमोचन किया।

ग्रामीण महिला उत्पादों को मिला राज्य का पहला एकीकृत ब्राण्ड 'छत्तीसकला'

राज्य की ग्रामीण गरीब महिलाओं द्वारा निर्मित गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को एक ही पहचान और एकीकृत बाजार मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ने 'छत्तीसकला' ब्राण्ड की शुरुआत की है। इस ब्रांड के अंतर्गत वर्तमान में मिलेट्स आधारित खाद्य उत्पाद, चाय, अचार, स्नैक्स, हैंडलूम एवं हस्तशिल्प निर्मित ढोकरा आर्ट, बांस शिल्प, मिट्टी एवं लकड़ी उत्पाद, अगरबत्ती एवं पूजा सामग्री जैसे विविध उत्पादों पर मानकीकरण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की योजना है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छत्तीसकला ब्रांड ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनेगा। यह ब्राण्ड उनके उत्पादों को राज्य से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक ले जाएगा।

48 बीसी सखियों की सफलता की गाथा का डिजिटल फाइनान्स बुकलेट का हुआ विमोचन

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने डिजिटल फायनान्स बुकलेट का भी विमोचन किया गया, जिसमें राज्यभर की 48 बैंकिंग कोरेस्पोंडेंट सखियों (बीसी सखियों) की प्रेरणादायक सफलताओं को दर्ज किया गया है।

3775 बीसी सखियाँ सक्रिय रूप बैंकिंग सेवाएँ दे रही

वर्तमान छत्तीसगढ़ में कुल 3775 बीसी सखियाँ सक्रिय रूप से घर-घर बैंकिंग सेवाएँ दे रही हैं और पिछले चार वर्षों में 3033.48 करोड़ से अधिक का वित्तीय लेन-देन कर चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो महिलाएँ कभी घरों से बाहर निकलने में संकोच करती थीं, आज वही महिलाएँ गाँव-गाँव वित्तीय सेवाएँ पहुँचाकर सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन की राह बना रही हैं।

हजारों स्व-सहायता समूह को मिला वित्तीय सशक्तिकरण

इस भव्य कार्यक्रम से ग्रामीण महिला समूहों को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। जिसके अंतर्गत 1080 स्व-सहायता समूहों को 1.62 करोड़ रुपए की रिवॉल्विंग निधि एवं 8340 स्व-सहायता समूहों को 50.04 करोड़ रूपए की सामुदायिक निवेश निधि, बैंक लिंकेज के रूप में 229.74 करोड़ रूपये प्रदान किये गए। इसके साथ ही 1533 महिला उद्यमियों को 6.23 करोड़ रुपए का उद्यमिता ऋण भी प्रदान किया गया है। इन वित्तीय प्रावधानों से ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि एवं नए उद्यमों की स्थापना और आर्थिक स्वावलंबन को मजबूती मिलेगी।

ग्रामीण समृद्धि, महिला नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की नई दिशा

धमतरी में हुआ यह आयोजन न केवल आर्थिक सहायता का वितरण था, बल्कि 'आत्मनिर्भर ग्रामीण छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। 'छत्तीसकला' ब्राण्ड, बीसी सखी मॉडल और व्यापक वित्तीय समर्थन तीनों मिलकर ग्रामीण आजीविका की दशा और दिशा बदलने वाले साबित होंगे।

एकीकृत किसान पोर्टल में नवीन पंजीयन, कैरी फारवर्ड एवं फसल-रकबे संशोधन हेतु तिथि 25 नवम्बर तक बढ़ी

धमतरी (दिव्य आकाश)।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए शासन द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल में नवीन पंजीयन, कैरी फारवर्ड एवं पंजीकृत फसल-रकबे में संशोधन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 25 नवम्बर 2025 तक कर दी गई है। इस हेतु तहसील लॉगिन में अतिरिक्त समय उपलब्ध कराया गया है, जिससे अधिकतम कृषक समय पर अपनी प्रविष्टियां पूरी कर सकें।

छत्तीसगढ़ शासन कृषि विभाग द्वारा इस संबंध में परिपत्र जारी कर दिया गया है। कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि जिले के प्रत्येक पात्र कृषक का पंजीयन एवं आवश्यक संशोधन समयसीमा के भीतर पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने जानकारी दी है कि धान खरीदी हेतु डूबान क्षेत्र, वन पट्टाधारी कृषकों के कैरी फारवर्ड एवं कुछ नवीन पंजीयन शेष हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में किसानों के हित में एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया गया है, ताकि कोई भी पात्र किसान लाभ से वंचित न रहे।

इस बीच जिले में धान खरीदी सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से जारी है। किसानों द्वारा लाए जा रहे धान का त्वरित तौल, गुणवत्ता परीक्षण और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्थाएं मजबूत की गई हैं। किसान यह कहते हुए संतोष व्यक्त कर रहे हैं कि इस वर्ष व्यवस्थाएं पहले की तुलना में और बेहतर हैं तथा प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं से उन्हें काफी राहत मिल रही है।

किसान पंजीयन एवं अन्य सहायता के लिए टोल फ्री नंबर-

एग्रीस्टैक हेल्पडेस्क रू 1800-233-1030

खाद्य विभाग टोल फ्री रू 1800-233-3663

जिला प्रशासन ने पुन: आग्रह किया है कि सभी कृषक विस्तारित तिथि का लाभ लेकर आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण करें, जिससे धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी रहे और कृषक हित सुरक्षित रहें।

छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मिली दो ऐतिहासिक उपलब्धि

रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिला अस्पताल पंडरी रायपुर और जिला अस्पताल बलौदाबाजार की इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (IPHL) को भारत सरकार के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम (NQAS) के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर का गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इनमें पंडरी रायपुर की IPHL देश की प्रथम, जबकि बलौदाबाजार की IPHL देश एवं राज्य की द्वितीय प्रमाणित लैब बनी है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और वैज्ञानिक मानकों पर आधारित लैब सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को प्रमाणित करती है।

छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मिली दो ऐतिहासिक उपलब्धि

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा निरंतर किए जा रहे प्रयासों का यह सीधा परिणाम है कि जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच राज्य की कुल 832 स्वास्थ्य संस्थाओं का राष्ट्रीय मानकों के आधार पर मूल्यांकन और प्रमाणीकरण किया गया है। इनमें दंतेवाड़ा के दूरस्थ क्षेत्र चिंतागुफा जैसे दुर्गम इलाकों के स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि देश में पहली बार किसी राज्य में लैब्स की इतनी बड़ी और व्यवस्थित श्रृंखला का मूल्यांकन एवं प्रमाणीकरण हुआ है, जिसने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट स्थान दिलाया है।

छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मिली दो ऐतिहासिक उपलब्धि

दोनो लैब्स का मूल्यांकन भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नामित विशेषज्ञ मूल्यांकनकर्ताओं

की टीमों ने किया। पंडरी रायपुर की IPHL का मूल्यांकन 10 सितंबर 2025, जबकि बलौदाबाजार की IPHL का मूल्यांकन 11 सितंबर 2025 को किया गया। दोनों टीमों ने लैब की कार्यप्रणाली, मरीज केंद्रित सेवाएँ, गुणवत्ता नियंत्रण, समयबद्ध रिपोर्टिंग और सुरक्षा प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की। मूल्यांकन उपरांत, पंडरी रायपुर IPHL को 90% और बलौदाबाजार IPHL को 88% स्कोर के साथ प्रमाणन प्राप्त हुआ। यह स्कोर स्वास्थ्य गुणवत्ता के राष्ट्रीय मानकों में उत्कृष्ट श्रेणी में आता है।

इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की अवधारणा का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को एक ही छत के नीचे पैथोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित सभी प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे न केवल जांच की गति और विश्वसनीयता बढ़ती है, बल्कि लोगों को महंगी निजी जांच लैब्स पर अनावश्यक निर्भरता से भी राहत मिलती है। एकीकृत मॉडल होने के कारण, मरीजों को एक ही स्थान पर किफायती और सटीक जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो पाती है।

पंडरी रायपुर की IPHL पूरे राज्य का मॉडल लैब बन चुकी है। यहां प्रतिदिन 3,000 से अधिक जांचें की जाती हैं और 120 से अधिक प्रकार की जांच सेवाएं उपलब्ध हैं। यह लैब 'हब एंड स्पोक' मॉडल पर कार्य करते हुए रायपुर जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त सैंपल की भी जांच करती है। कई बार आपातकालीन परिस्थितियों में यह लैब मेडिकल कॉलेज और अन्य जिलों से आए नमूनों की जांच भी करती रही है, जिससे इसकी क्षमता और उपयोगिता दोनों प्रमाणित होती हैं।

बलौदाबाजार की IPHL भी सेवा गुणवत्ता के मामले में तेजी से उभरती हुई लैब है। यहां प्रतिदिन 1,000 से 1,200 जांचें की जाती हैं और 100 से अधिक प्रकार की लैब टेस्टिंग उपलब्ध है। लैब में अत्याधुनिक उपकरणों, प्रशिक्षित तकनीशियनों और समयबद्ध रिपोर्टिंग की वजह से जिले के हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के मरीजों को अब जांच के लिए शहर या निजी लैब्स में जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पूर्व में भी पंडरी रायपुर IPHL के मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जा चुकी है। देश के 13 से अधिक राज्यों की टीमें उक्त लैब का निरीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन कर चुकी हैं। इतना ही नहीं, भारत सरकार द्वारा इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स हेतु जारी की गई विस्तृत गाइडलाइन के मुख्य पृष्ठ पर रायपुर IPHL की फोटो प्रकाशित की गई है। इस मॉडल को PM-ABHIM के अंतर्गत पूरे देश में स्थापित किए जा रहे IPHL नेटवर्क के मार्गदर्शक स्वरूप में अपनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में गुणवत्ता आधारित मूल्यांकन की यह प्रक्रिया केवल प्रमाणीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य प्रणाली में स्थायी सुधार की दिशा में एक ठोस कदम है। NQAS के मानकों में साफ-सफाई, सुरक्षा, रोगी संतुष्टि, रिकॉर्ड प्रबंधन, तकनीकी गुणवत्ता, उपकरण कैलिब्रेशन, बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और स्टाफ क्षमता निर्माण जैसे बिंदुओं का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। दोनों लैब्स ने इन सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि अर्जित की है।

आयुक्त सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि NQAS कार्यक्रम भारत सरकार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसके जरिए सरकारी अस्पतालों में गुणवत्ता सुधार को संस्थागत स्वरूप दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम में निर्धारित चेकलिस्ट बेहद व्यापक है और प्रमाणन तभी मिलता है जब कोई संस्थान सभी मानकों पर सतत् उत्कृष्टता प्रदर्शित करे।छत्तीसगढ़ की दोनों IPHL लैब्स ने जिस दक्षता और अनुशासन के साथ सभी मापदंडों को पूरा किया है, वह राज्य के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ गुणवत्ता सुधार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया में लैब तकनीशियनों, चिकित्सकों और प्रबंधन टीमों ने बड़े समर्पण और परिश्रम के साथ कार्य किया है। पंडरी रायपुर और बलौदाबाजार IPHL की उपलब्धि पूरे राज्य के लिए प्रेरक है और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी इसी मॉडल को सुदृढ़ता से लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा दोनों जिला अस्पतालों की IPHL टीमों—चिकित्सकों, तकनीशियनों और स्टाफ—को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, और IPHLs के राष्ट्रीय प्रमाणन से राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को नई विश्वसनीयता और मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित मानव संसाधन से लैस कर रही है। IPHL जैसी उच्च गुणवत्ता वाली लैब्स ग्रामीण, आदिवासी और पिछड़े इलाकों में समय पर स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आने वाले वर्षों में राज्य भर के जिला अस्पतालों और प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों को इसी मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा।

यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य प्रणाली के लिए केवल प्रमाणन नहीं, बल्कि यह संकेत भी है कि राज्य अब राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता केंद्रित स्वास्थ्य प्रबंधन की दिशा में अग्रसर है। IPHL मॉडल के विस्तार से रोगियों की जाँच सेवाएँ और अधिक सुलभ, तीव्र और विश्वसनीय होंगी। इसका सीधा लाभ लाखों नागरिकों को मिलेगा और राज्य के स्वास्थ्य सूचकांकों में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। दोनों IPHL लैब्स की सफलता यह प्रमाणित करती है कि जब वैज्ञानिक मानकों, प्रशिक्षित मानव संसाधन, आधुनिक तकनीक और शासन की दृढ़ इच्छाशक्ति का संगम होता है।

'पंडरी रायपुर और बलौदाबाजार जिलों की इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स को देश की प्रथम और द्वितीय क्वालिटी सर्टिफाइड IPHL बनने पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य तंत्र में आ रहे व्यापक, वैज्ञानिक और संरचनात्मक सुधारों का प्रमाण है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, और राष्ट्रीय स्तर के इस प्रमाणन ने राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को नई विश्वसनीयता और मजबूती प्रदान की है। IPHL मॉडल ने ग्रामीण, आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों तक विश्वसनीय जांच सेवाएँ पहुँचाने का मार्ग मजबूत किया है, और आने वाले समय में राज्य के सभी जिला अस्पतालों को आधुनिक, दक्ष और मानकीकृत मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा।'

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

'पंडरी रायपुर और बलौदाबाजार IPHL के देश की प्रथम और द्वितीय क्वालिटी सर्टिफाइड इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब बनने पर प्रदेशवासियों और पूरी स्वास्थ्य टीम को बधाई। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य प्रणाली में आए ऐतिहासिक बदलाव का परिणाम है। राज्य सरकार प्राथमिक से लेकर जिला स्तर तक सभी स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक उपकरणों, प्रशिक्षित मानव संसाधन और सशक्त गुणवत्ता तंत्र से लैस कर रही है। IPHL मॉडल ने जांच सेवाओं को तेज, सटीक और किफायती बनाकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच को मजबूत किया है। आने वाले समय में इसी उच्च गुणवत्ता मॉडल का विस्तार पूरे प्रदेश में किया जाएगा, जिससे छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता का अग्रणी राज्य बनेगा।'

- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

ट्रंप का 60वीं बार दावा: मेरी धमकी पर पीएम मोदी ने कहा-'हम युद्ध नहीं करेंगे', भारत कब तक बोलोगे झूठ

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बड़ा और विवादित दावा किया है। ट्रंप का कहना है कि उन्होंने दोनों देशों को 350% टैक्स लगाने की धमकी देकर उन्हें युद्ध के कगार से पीछे हटने पर मजबूर किया था। ट्रंप के दावों का सिलसिला मई से लगातार जारी है, जबकि भारत ने हमेशा किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि मई में भारत और पाकिस्तान 'परमाणु हमले' की तैयारी में थे।उनके अनुसार- 'मैंने दोनों से कहा कि युद्ध कर सकते हो, लेकिन मैं 350% शुल्क लगा दूँगा। फिर तुम अमेरिका में व्यापार नहीं कर पाओगे।' ट्रंप का कहना है कि धमकी के बाद दोनों देशों ने उनसे ऐसा न करने की अपील की।

मोदी और शहबाज शरीफ ने फोन किया

ट्रंप ने कहा कि सबसे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें कॉल करके धन्यवाद दिया और कहा कि लाखों लोगों की जान बच गई। इसके बाद, ट्रंप के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन कर कहा- 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने मोदी से कहा, 'ठीक है, चलिए एक समझौता करते हैं।' ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे "युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत शुल्क लगा रहा हूं। वे अमेरिका के साथ अब व्यापार नहीं कर पाएंगे।" 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप ने दावा किया कि वह "पूरी तरह तैयार" थे और उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से कहा था कि वह (संघर्ष को) समाप्त करने के लिए 350 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे और अगर दोनों देश युद्ध रोक देते हैं, तो "हम एक अच्छा व्यापार समझौता करेंगे।"

भारत ने फिर किया खारिज

भारत का आधिकारिक रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान बीच किसी तीसरे देश की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जाती। दोनों सेनाओं के DGMO ने सीधी बातचीत की और उसी के बाद हमले रुके। भारत का कहना है कि ट्रंप कब तक इस बात को लेकर झूठा दावा करता रहेंगें। 7 मई को भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जो पहलगाम हमले (26 मौतें) के जवाब में था। ट्रंप 60वीं बार यह दावा दोहरा चुके है। 10 मई को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि उनकी मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान 'तत्काल संघर्ष विराम' पर सहमत हुए। तब से वह बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने 'एक बड़े परमाणु युद्ध को रोका'।

शुभमन गिल दूसरे टेस्ट से बाहर:मेडिकल टीम ने अनफिट बताया, गर्दन में खिंचाव के कारण पहला मैच बीच में छोड़ा था

गुवाहाटी (एजेंसी)।

टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनकी गैर मौजूदगी में ऋषभपंत कप्तानी करेंगे। यह निर्णय भारत के लिए एक बड़ा नुकसान माना जा रहा है, क्योंकि टीम इंडिया कोलकाता में पहला टेस्ट हार चुकी है।

गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन, 15 नवंबर को गर्दन में खिंचाव हो गया था। दिन का खेल समाप्त होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में एक दिन रखने के बाद उन्हें 16 नवंबर को डिस्चार्ज कर दिया गया था।

BCCI ने गिल की चोट पर अपडेट दिया था भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार को जारी हेल्थ अपडेट में कहा था कि शुभमन गिल तेजी से रिकवर कर रहे हैं। वे 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे और मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखेगी। दूसरे टेस्ट में उनकी उपलब्धता को लेकर अंतिम फैसला बाद में लिया जाएगा।

कोलकाता टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान रिटायर हुए शनिवार को गिल कोलकाता टेस्ट की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर के आउट होने के बाद बैटिंग करने उतरे थे। उन्होंने साइमन हार्मर की पहली दो बॉल पर कोई रन नहीं बनाया। इसके बाद तीसरी बॉल पर चौका लगाकर अपना खाता खोला, इसी दौरान स्वीप खेलने के प्रयास में उनकी गर्दन में परेशानी हुई।

इसके बाद फिजियो आए और गिल उनके साथ मैदान से बाहर चले गए। वे भारतीय पारी में महज 4 रन ही बना सके। उन्हें स्टेडियम से एक निजी अस्पताल में स्कैन के लिए ले जाया गया। इस दौरान उन्हें गर्दन में ब्रेस पहने हुए देखा गया। ईडन से निकलते समय उनके साथ टीम के डॉक्टर और संपर्क अधिकारी भी थे।

गिल की गैरमौजूदगी में पंत ने संभाली कप्तानी गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाते हैं तो उप कप्तान ऋषभ पंत ही टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। कोलकाता टेस्ट से भी गिल के बाहर होने के बाद पंत ने ही टीम की कमान संभाली थी। कप्तान की गैरमौजूदगी में उप कप्तान ही टीम को लीड करता है।

साईं सुदर्शन या नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है गुवाहाटी टेस्ट में शुभमन गिल की जगह साई सुदर्शन या नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है। सुदर्शन ईडन गार्डन्स में भारत के ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन में मौजूद खिलाड़ियों में शामिल थे। उनके साथ ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, रवींद्र जडेजा और देवदत्त पडिक्कल भी अभ्यास करते नजर आए थे। वहीं, नीतीश रेड्डी भी 18 नवंबर को कोलकाता में टीम के साथ जुड़ गए थे।

भारत पहला टेस्ट 30 रन से हारा भारतीय टीम रविवार को कोलकाता टेस्ट 30 रन से हार गई। टीम 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 रन पर ढेर हो गई। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका ने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। ऐसे में भारत को यह सीरीज ड्रॉ कराने के लिए दूसरा मैच जीतना जरूरी है।

COP30 में भी भारत का दबदबा: वैश्विक जलवायु नीति में ऐतिहासिक बदलाव की तैयारी ! भूपेंद्र यादव ने ब्राजील-चीन व क्यूबा से की सीधी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन COP30 में भारत की कूटनीतिक गतिविधियाँ तेजी से बढ़ी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन, जीवाश्म ईंधन नीति, और विकासशील देशों के समन्वय को लेकर भारत केंद्र में दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने चीन, क्यूबा और ब्राज़ील के शीर्ष नेतृत्व के साथ अहम बैठकों की श्रृंखला की। 80 से अधिक देश पहले ही जीवाश्म ईंधन चरणबद्ध समाप्ति के लिए रूपरेखा मांग चुके हैं, जिसके चलते यह मुद्दा सम्मेलन के बीच चर्चा का केंद्र बन गया है। ष्टह्रक्क30 में 190 से अधिक देश भाग ले रहे हैं, और यह कार्यक्रम 10 से 21 नवंबर तक अमेज़न के शहर बेलेम में हो रहा है।

चीन और क्यूबा के साथ बैठकें

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने चीन के विशेष दूत लियू झेनमिन से मुलाकात की और एलएमडीसी (समान सोच वाले विकासशील देश) के समन्वय पर चर्चा की। यादव ने बताया कि बातचीत का फोकस पेरिस समझौते के प्रभावी अनुपालन पर था।यादव ने क्यूबा के पर्यावरण मंत्री सी. अरमांडो रोड्रिगेज बतिस्ता से भी मुलाकात की, जहां सौर ऊर्जा और नवीकरणीय परियोजनाओं पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। क्यूबा पहले ही सीडीआरआई और आईएसए से जुड़ चुका है, और भारत वहां सौर परियोजनाओं को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला से मुलाकात

सीओपी30 के दौरान ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। करीब 20 मिनट चली इस बैठक में सबसे अहम मुद्दा जीवाश्म ईंधन के भविष्य को लेकर संभावित वैश्विक खाका था। सूत्रों के अनुसार, लूला इस विषय को सीओपी30 का अनौपचारिक लेकिन प्रमुख एजेंडा बनाना चाहते हैं, और एलएमडीसी देशों से समर्थन जुटा रहे हैं।

डॉ. गजेंद्र तिवारी 23 नवम्बर को उत्कृष्ट साहित्य सम्मान से होंगे सम्मानित

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के प्रख्यात काऊंसलर, शिक्षाविद एवं छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल पाली के डायरेक्टर डॉ. गजेन्द्र तिवारी 23 नवम्बर को बिलासपुर के ग्रैंड अर्जुन हॉटल में आयोजित धरा वंदन... सम्मान समारोह में उत्कृष्ट साहित्य शौर्य सम्मान से नवाजे जाएंगे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एडीएन वाजपेयी होंगे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: गवर्नर को बिल मंजूरी देने की टाइमलाइन तय करने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर सुनवाई करते हुए अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि गवर्नर द्वारा विधानसभा बिलों को मंजूरी देने के लिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि 'डीम्ड असेंट' (Deemed Assent) का सिद्धांत संविधान की भावना और शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत के खिलाफ है।

सुप्रीम कोर्ट का Live Updates:

- राज्यपाल और राष्ट्रपति को बिलों पर मंजूरी देने की समय-सीमा नहीं तय की जा सकती।
- गवर्नर के पास बिल रोकने या प्रक्रिया रोकने का अधिकार नहीं।

- मामला अनुच्छेद 143 और प्रेसिडेंशियल रिफरेंस से जुड़ा है।

गवर्नर का रोल और अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनी हुई सरकार और उसकी कैबिनेट को मुख्य निर्णयकर्ता (ड्राइवर की सीट) होना चाहिए।

- इसमें गवर्नर का कोई औपचारिक रोल नहीं है, बल्कि उनका विशेष और संवैधानिक प्रभाव होता है।
- गवर्नर बिल को मंजूरी दे सकते हैं।
- गवर्नर बिल को विधानसभा में वापस भेज सकते हैं।
- जरूरत पड़ने पर बिल को राष्ट्रपति को भेज सकते हैं।
- न्यायालय ने यह साफ कर दिया कि गवर्नर बिल रोकने या प्रक्रिया को बाधित करने का अधिकार नहीं रखते। उनका काम संविधान के अनुसार उचित मार्गदर्शन करना और आवश्यक कार्रवाई करना है।

केस की पृष्ठभूमि

इस मामले में प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर भी शामिल थे। पीठ ने दलीलों को लगभग 10 दिन तक सुना और 11 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

डॉक्टर की लापरवाही:

टांके लगाने की बजाय फेविक्विक से चिपका घाव, रातभर दर्द से करहाता रहा मासूम

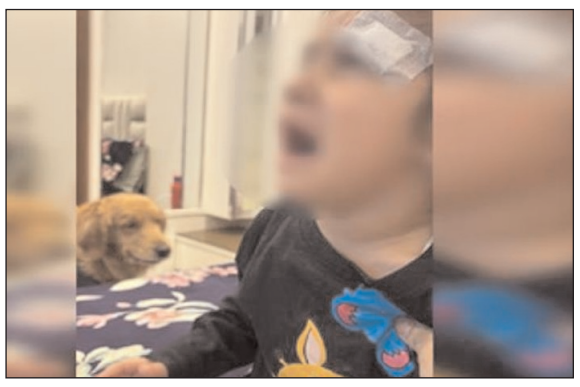

मेरठ (एजेंसी)।

मेरठ के जागृति विहार एक्सटेंशन में रहने वाले सरदार जसपिंदर सिंह का ढाई साल का बेटा मनराज घर में खेलते समय टेबल के कोने से टकरा गया और उसकी आंख के पास गंभीर चोट आ गई। शुरुआती दर्द और खून निकलने के बाद परिजन उसे शहर के एक प्राइवेट अस्पताल लेकर गए, लेकिन यहां जो इलाज हुआ, उसने सबको हैरान कर दिया।

परिवार का आरोप है कि डॉक्टर ने गंभीर घाव को टांके लगाने के बजाय 5 रुपये वाली फेविक्विक से चिपका दिया। रातभर बच्चा दर्द में तड़पता रहा, जबकि डॉक्टर लगातार आश्वस्त करता रहा कि सब ठीक हो जाएगा।

सुबह परिवार ने मनराज को लोकप्रिय अस्पताल में दिखाया, जहां डॉक्टरों ने फेविक्विक हटाने में तीन घंटे का समय लगाया। सावधानीपूर्वक फेविक्विक हटाने के बाद ही घाव की वास्तविक स्थिति सामने आई और तुरंत चार टांके लगाए गए। अस्पताल ने बताया कि अगर फेविक्विक आंख में चला जाता तो बच्चे की दृष्टि पर गंभीर असर पड़ सकता था।

मेरठ के सिटी मेडिकल ऑफिसर (CMO) डॉ. अशोक कटारिया ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच समिति गठित कर दी है। समिति यह पता लगाएगी कि प्राइवेट अस्पताल का डॉक्टर योग्य था या नहीं, अस्पताल में आपातकालीन सुविधाएँ थीं या नहीं और किस प्रकार की जिम्मेदारी का उल्लंघन हुआ। रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वाले पर कार्रवाई की जाएगी।

बिटकॉइन में बड़ी गिरावट, निवेशकों को हुआ भारी नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)।

क्रिप्टो मार्केट में निवेशकों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। बिटकॉइन गुरुवार, 20 नवंबर को फिर से लाल निशान में ट्रेड करते हुए 92,000 डॉलर के निचले स्तर तक पहुंच गया। अक्टूबर से जारी गिरावट ने निवेशकों को करीब 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान दिलाया है।

गिरावट के पीछे क्या वजहें हैं?

विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी सरकार द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से निवेशक क्रिप्टो में भारी दांव लगाने से बच रहे हैं। इसके अलावा, लगातार बिकवाली और पिछले पांच दिनों से स्पॉट बिटकॉइन श्वञ्जस्न से पैसों

की निकासी ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाला है।

18 नवंबर को बिटकॉइन 90,000 डॉलर के नीचे ट्रेडिंग पर पहुंच चुका था, जिससे यह सात महीने का सबसे निचला स्तर बन गया। इस दौरान छोटे निवेशकों की भागीदारी कम हो गई है, लेकिन बड़े निवेशक अभी भी बाजार में भरोसा बनाए हुए हैं।

आज का क्रिप्टो प्राइस

क्रिप्टो कीमतों की जानकारी देने वाली वेबसाइटों के अनुसार, गुरुवार 20 नवंबर को बिटकॉइन 92,577.82 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक महीने में बिटकॉइन में 14.16% की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, एथेरियम 3,035.42 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था, जो पिछले महीने की तुलना में 21.44% नीचे है। सोलाना की कीमत 143.71 डॉलर रही।

विशेषज्ञों का कहना है कि क्रिप्टो बाजार की यह स्थिति निवेशकों को सतर्क करती है और जल्द ही आने वाले आर्थिक संकेतों के आधार पर कीमतों में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

रेल यात्रियों के लिए बड़ा अपडेट, 22 नवंबर को नहीं मिलेगी ये सर्विस

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी अपडेट सामने आई है। 22 नवंबर को दिल्ली में पैसेंजर रिज़र्वेशन सिस्टम कुछ घंटों के लिए बंद रहेगा। रेलवे पुराने कोर स्विच को बदलकर नया सिस्टम लगाने जा रहा है, जिसके चलते 22 नवंबर रात 11:45 बजे से 23 नवंबर सुबह 4:45 बजे तक कई अहम सुविधाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी।

इन सर्विसेस पर पड़ेगा असर- इस दौरान यात्री टिकट बुकिंग, टिकट कैंसिलेशन, करंट रिज़र्वेशन, चार्ट तैयार होना, PRS स्टेटस इनक्वायरी, इंटरनेट टिकटिंग, e-DR और PRIMS एप्लिकेशन का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने यह काम नॉन-पीक आवर्स में करने का फैसला लिया है ताकि यात्रियों को कम से कम दिक्कत हो।

PRS क्यों है जरूरी?- PRS के जरिए यात्री कहीं से भी रिज़र्व और अनरिज़र्व टिकट बुक कर सकते हैं। यह सिस्टम रेलवे नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो डेटा को सुरक्षित और तेजी से प्रोसेस करता है। यही वजह है कि टिकट बुकिंग के लिए लंबी लाइनों की ज़रूरत नहीं रहती।

कोहरे का असर: इन रूटों की 24 ट्रेनें 3 महीने के लिए रद्द

उत्तर भारत में ठंड बढ़ने के साथ-साथ कोहरे का असर तेज़ हो रहा है। देर रात और सुबह घने कोहरे के कारण ट्रेनें लगातार घंटों लेट हो रही हैं। ऐसे में रेलवे ने बड़ा कदम उठाते हुए 24 ट्रेनों को 1 दिसंबर से 28 फ़रवरी तक के लिए रद्द कर दिया है।

HDFC Bank बना देश का सबसे वैल्यूएबल ब्रांड, TCS को छोड़ा पीछे

मुम्बई (एजेंसी)।

साल 2025 की Kantar Brand रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया है। देश का सबसे वैल्यूएबल ब्रांड अब टीसीएस नहीं, बल्कि एचडीएफसी बैंक बन गया है। प्राइवेट सेक्टर का यह दिग्गज बैंक 44.9 अरब डॉलर (करीब 37 लाख करोड़ रुपए) की ब्रांड वैल्यू के साथ नंबर-1 पर पहुंच गया है। 2014 से 2021 तक एचडीएफसी बैंक लगातार शीर्ष पर था लेकिन 2022 में TCS आगे निकल गया था। अब 2025 में बैंक ने दोबारा लीड हासिल कर ली है। पिछले एक दशक में बैंक की ब्रांड वैल्यू में 377% की जबरदस्त बढ़त हुई है।

मर्जर के बाद ब्रांड और मजबूत

एचडीएफसी लिमिटेड के साथ मर्जर के बाद बैंक ने ब्रांड को नई दिशा दी है। 'विजिल आंटी' जैसी फ्रॉड-प्रोटेक्शन कैंपेन को लोगों से तगड़ा रिस्पॉन्स मिला। '30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन' जैसी तेज सर्विसेस ने बैंक की पहचान और मजबूत की है। कैंटर की एक्सपर्ट सौम्या मोहंती के मुताबिक, बेहतर ब्रांड वही है जो मुश्किल दौर में भी ग्राहक की जरूरत समझकर खुद को बदलता है- एचडीएफसी बैंक ने यही किया। पिछले साल की तुलना में इस बार ब्रांड वैल्यू की बढ़त धीमी रही। पिछले साल ब्रैंड वैल्यू 19% बढ़ी थी, इस बार सिर्फ 6% ही बढ़ी है। कैंटर का कहना है कि कंपनियों को अब ब्रांड में ज्यादा निवेश करना होगा, वरना लिस्ट में टिकना मुश्किल होगा। फिर भी भारत के टॉप 100 ब्रांड्स की

कुल वैल्यू अब 523.5 अरब डॉलर यानी भारत की त्रष्ठक्क के करीब 13% तक पहुंच गई है। इस साल 34 ब्रांड्स की वैल्यू बढ़ी है।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

राष्ट्र सेविका समिति द्वारा प्रबुद्ध महिला संगोष्ठी आयोजन

मातृ शक्ति के बिना पुरूष शक्ति की परिकल्पना भी नहीं - डॉ. मनीषा सिंह

कोरबा (दिव्य आकाश)।

16 नवम्बर को सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी स्कूल सीएसईबी कोरबा पूर्व बुधवारी के प्रांगण में राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापिका लक्ष्मी बाई केलकर की पुण्यतिथि पर राष्ट्र सेविका समिति कोरबा इकाई द्वारा प्रबुद्ध महिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में रायपुर महानगर की बौद्धिक प्रमुख वर्षा मिश्रा ने कहा कि आज मातृशक्ति सभी क्षेत्रों में अपना डंका बजा रही है। नारी शक्ति जहां फाइटर जेट चला रही है, वहीं ट्रेन, बस चलाने के साथ-साथ आईएएस, आईपीएस जैसे ओहदों पर रह कर राष्ट्र सेवा कर रही हैं। आपरेशन सिंदूर में हमारे देश की शान और नारी शक्ति कार्नल सोफिया और एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह की बहादुरी का डंका पूरे विश्व ने देखा। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में नारी शक्ति वंदनीय बन रही है।

वक्ता के रूप में कोरबा की प्रख्यात वक्ता एवं पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ तथा युगशिल्पी कार्यकर्ता डॉ. मनीषा सिंह ने ओजस्वी उद्बोधन देखकर सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने मातृ शक्ति को ब्रह्मांड का सर्वोच्च शक्तिमान बताया और कहा कि मातृशक्ति के बिना पितृशक्ति की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती। आज नारीशक्ति को अपने भीतर की शक्ति और प्रतिभा को जानने और प्रदर्शित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम किसी से कम नहीं हैं, इस भाव को हर नारी को जानना होगा। हम वो शक्ति हैं, जो असंभव को संभव करने का सामर्थ्य रखते हैं। पितृशक्ति समाज में नारीशक्ति को अपनी प्रतिभा दिखानी होगी।

इतिहास गवाह है कि जब-जब नारी पर विपदा आई है, वह कभी दुर्गा बनकर तो कभी काली बनकर राक्षसों का संहार किया है। हम अबला नहीं, बल्कि सबला हैं और कुछ भी काम ऐसा नहीं, जिसे हम करने में सामर्थ्य नहीं। पुरातनकाल से लेकर आज तक हर क्षेत्र में नारी वंदनीय हैं और जिस-जिस ने भी नारी का अपमान किया, उसका काल और पतन निश्चित है।

कार्यक्रम को महिला मोर्चा की अध्यक्ष वैशाली रत्नपारिखी सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्र सेविका सुनीता देवांगन, गीता सिंह तथा सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिंह देकर समानित किया गया। कार्यक्रम में कोरबा से बड़ी संख्या में नारीशक्ति की उपस्थिति रही।

दर्री सीएसईबी प्लांट में स्टॉप डैम का तटबंध टूटा:पानी घुसने से विद्युत उत्पादन ठप्प, कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

कोरबा/दर्री (दिव्य आकाश)।

एचटीपीपी दर्री प्लांट में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे एक बड़ा हादसा हो गया। स्टॉप डैम का तटबंध टूटने से पावर प्लांट के अंदर पानी घुस गया, जिससे विद्युत उत्पादन ठप्प हो गया। प्लांट में पानी भरता देख कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई।

डैम का तटबंध टूटने के बाद बड़ी मात्रा में पानी तेजी से प्लांट के अंदर भर गया। इस दौरान प्लांट के अंदर मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन मशीनों में पानी घुसने से उत्पादन पूरी तरह रुक गया।

मिली जानकारी के अनुसार डैम में पहले से दरारें थीं, जिसकी सूचना कर्मचारियों ने अधिकारियों को दी थी। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल को प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अलावा प्लांट के बायपास मार्ग पर भी लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई है।

फिलहाल

डेम का पानी घुसने से कई मशीनें डूब गई

प्लांट में घुसे पानी को बाहर निकालने का काम जारी है। तटबंध की मरम्मत के लिए भी अधिकारी-कर्मचारी जुटे हुए हैं। इस हादसे से हुए नुकसान का आंकलन बाद में किया जाएगा, लेकिन प्लांट में ठप्प हुए विद्युत उत्पादन को कब तक दोबारा शुरू किया जा सकेगा, इस बारे में अधिकारी अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। उत्पादन प्रारंभ करने अधिकारी-कर्मचारी जी जान से जुटे हुए हैं।

वेल्डिंग के दौरान कार में आग:पेट्रोल टंकी में लीकेज से भड़की आग, दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

कोरबा/दर्री (दिव्य आकाश)।

दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत अयोध्यापुरी कटघोरा मुख्य मार्ग पर एक कार में आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना वेल्डिंग के काम के दौरान हुई। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, शब्बीर खान अयोध्यापुरी कटघोरा मुख्य मार्ग पर पिछले कुछ सालों से गैरेज का संचालन कर रहे हैं। गुरुवार सुबह गैरेज खुलने के बाद कर्मचारी एक कार की मरम्मत कर रहे थे। दो कर्मचारी कार की वेल्डिंग का काम कर रहे थे, तभी अचानक कार की पेट्रोल टंकी में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। गैरेज में मौजूद चार-पांच कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ती गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल सीएसईबी के दमकल वाहन को सूचना दी। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। हालांकि, तब तक कार का अधिकांश हिस्सा जलकर खाक हो चुका था। दुकान संचालक के मुताबिक, कार की पेट्रोल टंकी में लीकेज था। वेल्डिंग का काम चल रहा था और चिंगारी पेट्रोल टंकी तक पहुंचने के कारण यह आगजनी की घटना हुई। सीएसईबी दमकल कर्मी जीतू पलरिया ने इस घटना को दुकान संचालक की लापरवाही बताया। उन्होंने कहा कि काम शुरू करने से पहले जांच करनी चाहिए थी। यदि पेट्रोल टंकी फट जाती, तो यह एक बड़ी घटना हो सकती थी और कई लोग इसकी चपेट में आ सकते थे।

ओवरब्रिज से शख्स ने लगाई छलांग: सामने से आ रही थी ट्रेन, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में पवन टॉकीज रेलवे फाटक के पास एक व्यक्ति ने 25 फीट ऊंचे ओवरब्रिज से रेलवे ट्रैक पर छलांग लगा दी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घायल व्यक्ति की पहचान कोरबा निवासी सुजीत बक्शी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके परिजनों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। स्थानीय लोगों के अनुसार, व्यक्ति रेलवे ओवरब्रिज के ऊपर चढ़ा हुआ था। फाटक बंद था और सामने से एक मालगाड़ी आ रही थी। मालगाड़ी के आने से पहले ही व्यक्ति ने ऊपर से नीचे छलांग लगा दी। आवाज सुनकर फाटक पर मौजूद लोग और आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंचे।कोतवाली थाना प्रभारी एमबी पटेल ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई। व्यक्ति ने यह आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल उसे 112 की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोरबा में जनजातीय गौरव दिवस : अधिकारियों ने जनजातियों का ऐसा गौरव बढ़ाया, खाने में न चटनी, न सब्जी, न दाल, सूखे चावल को परोस दिया

पिकअप में 40-40 लोगों को ठूंस-ठूंस कर लाया गया

दावा: 700 लोगों के लिए बनाया गया था खाना-आदिवासी विकास विभाग, हकीकत:700 लोग कार्यक्रम में आए ही नहीं थे

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पूरे देशभर में अंग्रेजों से लोहा लेने वाले जनजातीय क्रांतिवीर, आदिवासियों के गौरव भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई। कोरबा में भी आदिवासी विकास विभाग द्वारा राजीव गांधी आडिटोरियम टी पी नगर कोरबा में दोपहर 2.00 बजे से आयोजित था। कार्यक्रम में अधिकतर अतिथि एवं दर्शक दीर्घा में भाजपा नेता, अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। जनजाति के लोग कुछ गिनेचुने ही लोग आए थे। नर्तक दलों को भी बुलाया गया था, जिसमें दूरदराज से नाबालिक बच्चे भी पहुंचे थे। एक-एक पिकअप में 40-40 लोगों को ठूंस-ठूंस कर लाया गया था। मालवाहक वाहन में यात्रियों को लाना-ले जाना प्रतिबंधित है, लेकिन पुलिस अधिकारियों-जिला प्रशासन के अधिकारियों की नजरों के सामने ठूंस-ठूंस कर आदिवासियों, नर्तक दलों को लाया-ले जाया गया।

सूखे चावल से भूख मिटाई आदिवासियों ने

एक तरफ प्रदेश का मुखिया आदिवासी हैं और आज उन्होंने अपने संदेश में कहा कि प्रदेश में आदिवासियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश सरकार ने कई योजना चला कर उन्हें मुख्य धारा में लाने की कोशिश कर रही है।

गुजरात में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के वृहद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के जनजातियों को सम्बोधित करते हुए कहा-स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण से जनजातीय समुदाय के लोग आगे बढ़ रहे हैं।

दूसरी ओर कोरबा में आदिवासी विकास विभाग ने जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन राजीव गांधी आडिटोरियम में किया था, जहां जनजातीय वर्ग के लोग गिनेचुने ही आए थे। आडिटोरियम में प्रयास स्कूल के बच्चे, नर्तक दल के सदस्य कुछ 100-150 की संख्या में मौजूद थे, जबकि अतिथि के रूप में मंत्री लखनलाल देवांगन, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, निगम महापौर संजूदेवी राजपूत, निगम अध्यक्ष नूतन ठाकुर, कलेक्टर अजीत बसंत मंच पर मौजूद थे। कार्यक्रम के आयोजक आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्रीकांत केसर व्यवस्था में लगे दिखे। जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, एडीएम, एसडीएम सहित कई बड़े अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। जब दिव्य आकाश प्रतिनिधि को किसी ने बताया कि नर्तक दलों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है, वहां का निरीक्षण करें। निरीक्षण करने के दौरान जनजातीय गौरव का ऐसा दृश्य देखकर मन में अचानक प्रश्न उठा? वाह! रे अधिकारी, एक ओर आदिवासियों का गौरव मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उनकी भूख मिटाने के लिए सूखा चावल परोस दिया, न चटनी, न सब्जी और न ही दाल। आदिवासी विकास विभाग का यह बड़ा कार्यक्रम आदिवासियों के बीच ही चर्चा का विषय बना रहा। आदिवासियों के लिए इस तरह का व्यवहार क्या वाकई में उनका गौरव बढ़ाएगा? सहायक आयुक्त को आयोजन के लिए सरकारी फंड भी मिला होगा, लेकिन आदिवासियों को भूखा वापस भेजना, क्या यही है जनजातीय गौरव दिवस?

आदिवासी विधायक पहुंचे ही नहीं

जिले में दो आदिवासी विधायक भी हैं। रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया और पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम, लेकिन दोनों ही जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में पहुंचे ही नहीं थे। लोगों के बीच यह भी चर्चा रही कि यह सरकारी कार्यक्रम था, या फिर भाजपा का।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह (जनजाति) को भी आदिवासियों का किस तरह भूखा रखकर गौरव बढ़ाया गया, से अवगत कराया गया, किन्तु वे भाजपा के सिपाही होने के कारण किसी भी तरह से प्रतिक्रिया देने से बचते रहे।

सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर ने कहा कि 1.00 बजे तक भोजन की व्यवस्था थी, कार्यक्रम खत्म होने के बाद भोजन ही खत्म हो गया होगा। प्रयास के बच्चों को आने से पहले ही विद्यालय में भोजन कराकर लाया गया था। यहां सिर्फ नर्तक दलों के लिए भोजन की व्यवस्था थी।

दावा : 700 लोगों के लिए बनाया गया था भोजन
हकीकत : 700 लोग मौजूद ही नहीं थे, फिर भी आदिवासी भूखे लौट गए

जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में 700 आदिवासी मौजूद ही नहीं थे। दूर-दराज से नर्तक दल आए थे, उन्हें भी पिकअप में ठूंस-ठूंस कर लाया गया था, उसमें भी आधे लोग भूखे चले गए और कुछ लोग सिर्फ सूखा चावल खा कर भूख मिटाई। आदिवासी विकास विभाग का बाबू तंबोली ने बताया कि 700 लोगों के लिए खाना बनाया गया था, 700 आदिवासी पहुंचे ही नहीं, फिर भी नर्तक दल के कई सदस्य भूखे ही लौट गए और कुछ लोग सूखा चावल खा कर अपनी भूख मिटाई।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com